कोटद्वार, शुक्रवार
1 दिसम्बर 2023
वर्षः 45
अंकः 212 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

मुख्यमंत्री ने पौड़ी जिले को दी 125.70 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

सीएम ने 46.36 करोड़ की 22 योजनाओं का लोकापर्ण और 79.34 करोड़ की 35 योजनाओं का किया वर्चुअल शिलान्यास

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ी : मुख्य अतिथि सांसद गढ़वाल तीरथ सिंह रावत की उपस्थिति एवं स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी की अध्यक्षता में जनपद पौड़ी मुख्यालय में भी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के वर्चुअल शुभारंभ–संबोधन कार्यक्रम को देखा व सुना गया। प्रधानमंत्री के संबोधन के पश्चात मुख्यमंत्री पुष्कर ंसह धामी ने नैनीताल में ईंजा बैंणी महोत्सव का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से विभिन्न जनपदों की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान वर्चुअल माध्यम से जनपद पौड़ी से संबंधित 125.70 करोड़ की कुल 57 योजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया। उन्होंने जनपद से संबंधित 46.36 करोड़ की कुल 22 योजनाओं का लोकार्पण किया तथा 79.34 करोड़ रूपये की कुल 35 योजनाओं का वर्चुअली शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से ड्रोन दीदी योजना तथा 10 हजारवें जन औषधि केंद्र का शुभारंभ करते हुए अपने संबोधन में कहा कि ड्रोन दीदी योजना से देश में कृषि के आधुनिकीकरण और तकनीकी उपयोग में क्रांतिकारी परिवर्तन आयेगा। इससे खेती को जरूरत के अनुसार सिंचाई मिलेगी, पोस्टिसाइड और कीटनाशक के छिड़काव में कमी आने से स्वास्थ्य बेहतर रहेगा तथा आर्गेनिक खेती को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने 10 हजारवें जन औषधि केंद्र का शुभारंभ करते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य देशभर में 25 हजार जन औषधि केंद्र खोलने का है जिससे गरीबों को न्यूनतम दाम पर दवाएं उपलब्ध हो सके तथा जो खर्ची उनका दवा खरीदने में आता है उसको वे अपने परिवार–बच्चों के उत्थान में खर्च कर सके। इस औषधि केंद्रों का संचालन अधिकतर महिला समूहों के माध्यम से किये जाने से महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने विकसित भारत संकल्प यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि हमारा संकल्प महिला, किसान, युवा और गरीब का उत्थान करते हुए उनको भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का है, जिससे सभी को विकसित भारत के संकल्प के भागीदारी बन सके। उन्होंने विभिन्न राज्यों के विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से वर्चुअल संवाद भी किया तथा उनसे योजनाओं के क्रियान्वयन और उनके जीवन में आयी गुणवता का फीडबैक भी लिया।जनपद पौड़ी मुख्यालय में वर्चुअल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद तीरथ सिंह रावत ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के पश्चात भारत लगातार क्रांतिकारी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री के विराट व्यक्तित्व से भारत वैश्विक नेतृत्व देने की स्थिति में है तो दूसरी ओर अनके मार्गदर्शन में देश में विकास की गति तीव्रगति से चल रही है। कहा कि भारत की गौरवशाली परंपरा और विरासत के दर्शन हो रहे हैं तथा उस पर सभी भारतीय गर्व करने लगे हैं। कहा कि आज भारत का हर नागरिक जाति, संप्रदाय, क्षेत्र-ावाद, दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्र निर्माण में लगा है तथा सभी भारत को विकसित बनाने के प्रधानमंत्री के विजन के प्रति संकल्पि हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष शांति देवी, जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान, उप सचिव भारत सरकार कौशलेंद्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पाण्डेय, नगर पालिका अध्यक्ष यशपाल बेनाम, क्षेत्र पंचायत प्रमुख पौड़ी दीपक खुगशाल व खिर्सू भवानी गायत्री सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अतिथिगण, जिला स्तरीय अधिकारी–कार्मिक और सामान्य जनमानस पौड़ी में उपस्थित था।

सांसद तीरथ सिंह रावत को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए डीएम डॉ. आशीष चौहान।

IHMS KOTDWAR
Institute of Hospitality, Management & Sciences
"Journey Towards Excellence"
17 Years of Excellence in Education
ESTD. 2006
Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Sri Dev Suman Uttarakhand University, Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal University (A Central University)
Approved By: All India Council of Technical Education (AICTE), Government of Uttarakhand and Ministry of Education
Admissions Open 2024-25
LIMITED SEATS
CHM
(CERTIFICATE IN HOTEL MANAGEMENT)
WINTER BATCH
Admissions Start For (January 2024)
JOB OPPORTUNITIES
RAMADA · The Fern · Crowne Plaza · Jaypee Hotels & Resorts · Country · Courtyard Marriott Ahmedabad · Sayaji · Welcomhotel · Pride · Hyatt · TAJ · Marriott Hotels & Resorts · Raffles
PROGRAMMES AVAILABLE
M.B.A. 2 Years | M.C.A 2 Years | B.H.M. 4 Years | B.B.A. 3 Years | B.C.A. 3 Years | B.Sc. IT 3 Years | C.H.M. 1 Year
Mob.: 7902000023, 8057726863
Balbhadrapur, B.E.L. Road, Kotdwar-246149(UK)
Email:Info@ihms.ac.in, ihmskotdwar1@gmail.com | Web: www.ihms.ac.in

सीएम धामी ने चमोली जिले को दी 40.58 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

☐ डिजिटल माध्यम से जिले की 13 विकास योजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को नैनीताल में आयोजित ईजा वैणी महोत्सव में डिजिटल माध्यम से प्रदेश के सभी जनपदों की विभिन्न विकास का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जनपद चमोली में 40.58 करोड़ की 13 विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार निरतंर विकास कार्य कर रही है। उत्तराखंड को श्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए के हम संकल्पबद्ध है और सरकार सबका साथ, सबका विकास के संकल्प को पूरा करने के लिए लगातार समर्पित है।

जनपद चमोली के विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास के अवसर में गोपेश्वर स्पोर्ट्स स्टेडियम में भव्य कार्यक्रम

आयोजित किए गए। मुख्य अतिथि थराली विधायक भूपाल राम टम्टा ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जीजीआईसी की छात्राओं ने पारंपरिक वाद्य यंत्र एवं लोकगीतों से मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा जिन योजनाओं की घोषणाएं की जाती है, उनको शिलान्यास और लोकार्पण के साथ धरातल पर उतारा जाता है। उन्होंने जनपद के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम स्थल पर लगे विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए मुख्य अतिथि ने जय माँ देवी स्वयं सहायता समूह और नन्दा देवी स्वयं सहायता समूह को फार्म मशीनरी बैंक और जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र की तरफ से 10 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण भी किया। इस अवसर नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पा पासवान, सहकारिता बैंक के अध्यक्ष गजेन्द्र रावत, जिलाधिकारी हिमांशु खुराना, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, मुख्य शिक्षा अधिकारी कुलदीप गैरोला आदि सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं भारी संख्या में स्थानीय जनता मौजूद थी। (एजेंसी)

मुख्यमंत्री ने 864.46 लाख लागत की चार योजनाओं का किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिन योजनाओं का लोकार्पण किया, उसमें राइका भराडीसैंण का मुख्य भवन लागत 141.84 लाख, राइका कांसवा में मुख्य भवन निर्माण लागत 284.40 लाख, बछेरधार से बछेर गांव तक 3 किमी मोटर मार्ग निर्माण लागत 204.17 लाख, पुलना से घांघरिया पैदल मार्ग पर रैलिंग, स्टोन सेटपेवमेंट एवं सतह मरम्मत कार्य लागत 234.05 लाख शामिल है।

मुख्यमंत्री ने 3193.13 लाख लागत की 9 योजनाओं का किया शिलान्यास

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिन योजनाओं का शिलान्यास किया, उसमें राइका रैंस चोपत में मुख्य भवन निर्माण लागत 257.30 लाख, पोखरी में विशालखाल आली मोटर मार्ग के जंक्शन पर सरफेस पार्किंग निर्माण लागत 109.34 लाख, राजकीय पॉलीटेक्निक कुलसारी की बाढ़ सुरक्षात्मक कार्य लागत 204.18 लाख, नारायणबगड पंती में बाढ़ सुरक्षात्मक कार्य लागत 179.44 लाख, सिमली-शैलेश्वर मोटर मार्ग के द्वितीय चरण का निर्माण कार्य लागत 138.59 लाख, कर्णप्रयाग-नैनीसैंण मोटर मार्ग से कपीरी-किमोली मोटर मार्ग का सुरधारीकरण एवं डामरीकरण लागत 105.42 लाख, हरमनी-रांगतोली-लांसी मोटर मार्ग का सुधारीकरण लागत 693.71 लाख, देवखाल-उड्डामांडा-पाटियू-सिमलासू मोटर मार्ग का सुधारीकरण लागत 647.74 लाख, कुलसारी से गैरवारम मोटर मार्ग सुधारीकरण लागत 857.41 लाख शामिल है।

एक नजर

जोशीमठ के लिए 1658.17 करोड़ की योजना मंजूर

देहरादून। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति ने आपदाग्रस्त जोशीमठ के लिए 1658.17 करोड़ की रिकवरी एवं रिकंस्ट्रक्शन योजना को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने योजना की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री का आभार प्रकट किया है। योजना के तहत राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) की रिकवरी एवं रिकंस्ट्रक्शन विंडो से 1079.96 करोड़ की केंद्रीय सहायता दी जाएगी।

राज्य सरकार राहत के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) से 126.41 करोड़ और राज्य के बजट से 451.80 करोड़ देगी। इसमें पुनर्वास के लिए 91.82 करोड़ भूमि अधिग्रहण की लागत शामिल है।

कन्नूर विश्वविद्यालय के वीसी को फिर से नियुक्त करने का फैसला रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केरल के कन्नूर विश्वविद्यालय के वीसी को बड़ा झटका दिया। शीर्ष कोर्ट ने गोपीनाथ रवींद्रन को उनकी सेवानिवृत्ति के बाद भी कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में फिर से नियुक्त करने के राज्य सरकार के फैसले को रद्द कर दिया। साथ ही कोर्ट ने इस मामले में रवींद्रन के अनुचित तरीके से हस्तक्षेप करने की आलोचना की। इस मामले की चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई की। पीठ ने गोपीनाथ रवींद्रन को वीसी के पद पर दोबारा नियुक्त करने के कुलाधिपति और राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के आदेश में गलती पाई। पीठ ने रवींद्रन की दोबारा नियुक्ति को बरकरार रखने वाले केरल हाई कोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया।

जोशीमठ सीएचसी में दो माह से हेल्थ एटीएम खराब

चमोली : सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जोशीमठ में मरीजों की 23 प्रकार की जांच कराने के उद्देश्य से लाखों रुपये खर्च कर प्रदेश सरकार द्वारा लगाये गए दोनों हेल्थ एटीएम खरब पड़े हैं। इन्हें खराब हुए दो माह बीत गए हैं। जबकि अब तो हेल्थ एटीएम लगाने वाली कंपनी भी इन्हें ठीक करने से बच रही है। भारत तिब्बत की सीमा पर अंतिम नगर जोशीमठ का एकमात्र सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अपनी बदहाली का दंश झेल रहा है। चिकित्सालय में विशेषज्ञ चिकित्सकों का अभाव है तो वहीं मरीजों की विविध जांचों की 24 घंटे सुविधा देने के नाम पर लगाये गए दोनों हेल्थ एटीएम पिछले कई महीनों से मात्र सफेद हाथी सबित हो रहे हैं।

पर्यटकों के लिए बंद हुआ गंगोत्री नेशनल पार्क

उत्तरकाशी : गंगोत्री नेशनल पार्क के गेट गुरुवार को शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए हैं। पर्वतारोहण और ट्रैकिंग के लिए प्रसिद्ध गंगोत्री नेशनल पार्क और गतींगली की सैर के लिए पर्यटकों को अब अगले वर्ष एक अप्रैल तक का इंतजार करना पड़ेगा। इस बार 31235 देशी-विदेशी पर्यटकों ने पार्क क्षेत्र की सैर की। जिनसे पार्क प्रशासन को 61 लाख 74 हजार 750 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। गंगोत्री नेशनल पार्क क्षेत्र देश का तीसरा सबसे बड़ा पार्क है। यह 1553 वर्ग किमी और सात हजार मीटर से अधिक ऊंचाई तक फैला हुआ है। पार्क क्षेत्र में हिम तेंदुए, अरगली भेड़, भूरा भालू व लाल लोमड़ी जैसे कई दुर्लभ जीवों का घर है, जहां पर्यटकों को आसानी से उच्च हिमालयी क्षेत्र में पाए जाने वाले इन जीवों के दीदार हो जाते हैं। यही वजह है कि पार्क क्षेत्र में हर साल हजारों की संख्या में पर्यटक घूमने आते हैं। हर साल एक अप्रैल को पार्क के गेट पर्यटक व पर्वतारोहियों के लिए खुलते हैं और 30 नवंबर को बंद कर दिए जाते हैं। इस बार गंगोत्री नेशनल पार्क में पर्यटकों की संख्या के साथ राजस्व अर्जित करने का भी रिकार्ड बना है। गंगोत्री नेशनल पार्क क्षेत्र के उप निदेशक रंगनाथ पांडेय ने बताया कि इस बार 31235 पर्यटकों ने पार्क की सैर की।

शीतकालीन सत्र से पहले सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले केंद्र सरकार ने शनिवार को लोकसभा और राज्यसभा में राजनीतिक दलों के नेताओं की बैठक बुलाई है। संसद का शीतकालीन सत्र 4 दिसंबर से शुरू हो रहा है। सत्र 22 दिसंबर तक चलेगा, जिसमें 15 बैठकें आयोजित की जाएंगी। शीतकालीन सत्र के दौरान औपनिवेशिक युग के आपराधिक कानूनों को बदलने के लिए तीन विधेयकों सहित प्रमुख मसौदा कानूनों पर विचार करने की उम्मीद है। यह बैठक संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी की अध्यक्षता में होगी, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल सहित वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है।

संसद में 37 विधेयक लंबित

बता दें कि वर्तमान समय में संसद में 37 विधेयक लंबित हैं, जिनमें से 12 विचार और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किए गए हैं। वहीं, सात विधेयकों को संसद में पेश करने और उसे पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

महुआ मोइत्रा को लेकर रिपोर्ट पेश होगी

वहीं, तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ 'कैश-फॉर-क्वेरी' के आरोपों पर आचार समिति की रिपोर्ट भी इसी सत्र के दौरान लोकसभा में पेश की जाएगी।

मुख्य सचिव डॉ. संधु ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक ली

देहरादून। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने गुरूवार को सचिवालय स्थित अपने सभागार में 08 एवं 09 दिसम्बर, 2023 को देहरादून में आयोजित हो रहे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक ली।

मुख्य सचिव ने सभी अधिकारियों को सभी तैयारियों समय से पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समिट के दौरान आयोजित हो रहे प्रत्येक इवेंट की विस्तृत रूपरेखा तैयार कर ली जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान शहर के यातायात एवं सुरक्षा से सम्बन्धित सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि यातायात के कारण देश-विदेश से आ रहे निवेशकों के साथ ही आमजन को परेशानी न झेलनी पड़े इसका ध्यान रखा जाए। इसके लिए अन्य जनपदों से भी यातायात पुलिस की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल के आसपास पार्किंग की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि इन्वेस्टर्स समिट के दौरान निवेशकों को आसपास के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण भी कराया जा सकता है। उन्होंने समिट से पहले शहर के सौन्दर्यीकरण कार्य को पूरा करने के साथ ही सड़कों की स्थिति दुरूस्त किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने बिजली, फाईबर लाइन्स एवं केबल टीवी आदि की तारों को अंडरग्राउण्ड किए जाने के भी निर्देश दिए।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम, शैलेश बगोली, अरविन्द सिंह ह्यांकी, डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरूषोत्तम, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, डॉ. वी. षणमुगम, विनोद कुमार सुमन एवं उपाध्यक्ष एमडीडीए बंशीधर तिवारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सरकार जनता के द्वार में उठाया सड़क का मुद्दा

चमोली : ब्लाक के बणसोली गांव में आयोजित सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम में ग्रामीणों ने सिमली-सुमल्टा सड़क का विस्तार नहीं होने पर नाराजगी जताई। इस दौरान ग्रामीणों ने कहा कि वन अधिनियम की स्वीकृति नहीं मिलने ग्रामीणों को सड़क का लाभ नहीं मिल पा रहा है। गुरुवार को उपनिदेशक उत्तराखण्ड शासन, चमोली के नोडल अधिकारी डा. दीपक हटवाल सहित अनेकों विभागों के अधिकारियों/कर्मचारियों ने की कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, खाध्यान विभाग, पंचायत विभाग, मनरेगा, पेयजल विभाग, वन विभाग, लोक निर्माण विभाग, सहकारिता विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यों पर जनता से संवाद किया और समस्याएं सुनी। साथ ही निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने जोर शोर से सिमली-सुमल्टा-बणसोली-कुंडडुंग्रा-कालूसैंण सड़क के 10 किमी विस्तारीकरणा का मामला उठाया। ग्रामीणों ने कहा कि वन विभाग द्वारा बार बार वन भूमि हस्तांतरण की फाईल को आपत्तियां लगाकर वापस भेजा जा रहा है। कहा कि यदि लोक सभा चुनावों तक सड़क के टेंडर नहीं निकाले गए तो ग्रामीण लोक सभा चुनावों का बहिष्कार भी कर सकते हैं। इस अवसर पर राजस्व निरीक्षक विजेन्द्र सिंह गुसाईं, उपनिरीक्षक अशोक बेरवाल, कपीरी संघर्ष समिति के महामंत्री महिपाल नेगी, ग्राम प्रधान हेमा नेगी, ग्राम विकास अधिकारी गजपाल रावत, ग्राम पंचायत अधिकारी प्रदीप असवाल सहित कई अधिकारी और ग्रामीण मौजूद थे। (एजेंसी)

कबड्डी में न्याय पंचायत धामधार रहा विजयी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जीआईसी रिखणीखाल में आयोजित ब्लॉक स्तरीय खेल महाकुंभ के पहले दिन अंडर-14 बालक-बालिका वर्ग की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। कबड्डी प्रतियोगिता में न्याय पंचायत धामधार विजयी रहा।

खेल महाकुंभ का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख मनोहर देवरानी ने किया। इस मौके पर आयोजित 60 मीटर दौड़ में ज्योति, 600 मीटर दौड़ में सिमरन ने प्रथम स्थान पाया। खो-खो प्रतियोगिता बालिका वर्ग में न्याय पंचायत ढाबखाल विजेता रहा। कबड्डी प्रतियोगिता बालक वर्ग में न्याय पंचायत धामधार ने जीत दर्ज की। मुख्य अतिथि ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। इस मौके पर बीडीओ नरेश सुयाल, बीईओ अजय कुमार चौधरी, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी इमरान, ग्राम प्रधान मोहित, जिला पंचायत सदस्य शालिनी बलोधी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन खेल समन्वयक पंकज सिंह रावत ने किया।

तीन दिवसीय सिद्धबली मेला आज से, तैयारियां पूरी

शुक्रवार को पिंडी महाभिषेक के साथ प्रारंभ होगा महोत्सव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल समेत यूपी के विभिन्न क्षेत्रों की आस्था और विश्वास का केंद्र कोटद्वार के प्रसिद्ध मंदिर सिद्धबली में तीन दिवसीय वार्षिक महोत्सव शुक्रवार से शुरू होगा। ब्रह्ममुहूर्त में पांच बजे पिंडी महाभिषेक, मंदिर परिक्रमा और एकादश कुंडीय यज्ञ के साथ पूरे विधि विधान के साथ महोत्सव प्रारंभ होगा। शाम को मंदिर से नगर तक शोभायात्रा मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगी।

शुक्रवार शाम निकलने वाली शोभायात्रा में विभिन्न झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। मशहूर नासिक ढोल, राधाकृण का डांडिया रास मुख्य आकर्षण रहेंगे। इसके अलावा आकर्षक झांकियां, भगवान जगन्नाथ की भव्य झांकी समेत क्षेत्र की कई कीर्तन मंडली भी इसमें चलेंगी। मंदिर समिति अध्यक्ष डा. जेपी ध्यानी और महंत दिलीप रावत ने बताया कि मेले में उत्तराखंड और यूपी से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। कई श्रद्धालु एक दिन पहले ही कोटद्वार पहुंच चुके हैं। क्षेत्र के सबसे बड़े इस महोत्सव के लिए मंदिर को सजाने काम पूरा हो चुका है। मंदिर में कई तरह की विद्युत लड़ियां लगाई गई हैं। शाम से ही मंदिर परिसर रंग-बिरंगी बिजली की रोशनी से जगमगाने लगा है। 1 से 3 दिसंबर तक सिद्धों का डांडा सिद्धबाबा के जयघोषों में डूबा रहेगा। मंदिर समिति ने शहरवासियों से शहर को सजाने की अपील की है। महोत्सव को लेकर शहर में भी खासा उत्साह बना हुआ है।

महोत्सव को लेकर सजाया गया सिद्धबली मंदिर

यह होंगे कार्यक्रम

एक दिसंबर को मेले का आरंभ सिद्धबाबा के पिंडी अभिषेक से होगा। तदोपरांत मंदिर परिक्रमा व कलश यात्रा के उपरांत एकादश कुंडीय यज्ञ का आयोजन किया जायेगा। अपराह्न तीन बजे से बाबा की शोभा यात्रा निकाली जायेगी। दो दिसंबर को पिंडी अभिषेक व एकादश कुंडीय यज्ञ के बाद दोपहर बारह बजे से गढ़वाली भजन संध्या में लोकगायिका हेमा करासी बाबा की महिमा का गुणगान करेंगी। तीन दिसंबर को एकादश कुंडीय यज्ञ के बाद सिद्धबाबा के जागर होंगे और इंडियन आइडल फेम हेमंत बृजवासी हिंदी भजन प्रस्तुत करेंगे।

समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए आगे आएं युवा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में एंटी ड्रग क्लब व समाजशास्त्र विभाग की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षकों ने युवाओं को नशे के खिलाफ आगे आने की सीख दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य जानकी पंवार किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग प्रतियोगिता का युग है। क्विज भाषण, वाद-विवाद आदि प्रतियोगिताओं के माध्यम से हम समाज को कैसे नशा मुक्त कर सकते हैं इस संबंध में कार्य करना होगा। कहा कि नशा मुक्त देवभूमि के सपने को सफल बनाना हमारी प्राथमिकता में होना चाहिए। कहा कि शैक्षणिक संस्थाओं के माध्यम से इसे बेहतर ढंग से किया जा सकता है। कार्यकम में समाजशास्त्र के विभाग प्रभारी डॉक्टर संदीप सिंह ने कहा कि नशे की आदत कभी भी पड़ सकती है जरुरत है कि नशे के आदी हो चुके व्यक्ति को इस समस्या से बाहर निकालना डॉक्टर श्रद्धा सिंह ने बताया कि परिवार, समाज, राज्य के प्रति हमारी भी कुछ जिम्मेदारी होती है और वो जिम्मेदारी यह है कि हमें समाज से किसी भी कीमत पर नशे को दूर करना ही है। डॉक्टर सुरेखा घिल्डियाल ने बताया कि एंटी ड्रग क्लब के गठन से ही महाविद्यालय में जनजागरुकता के कार्यक्रम लगातार करवाए जा रहे हैं, ताकि छात्रों के माध्यम से जन-जन तक नशा मुक्त देवभूमि के विचार को प्रोत्साहित किया जा सके।

इस अवसर पर डॉ. भगवत सिंह रावत, डॉ. सुषमा भट्ट थलेडी, डॉ. नवरत्न सिंह , अभिषेक अग्रवाल, भास्कर प्रजापति, शालिनी, इला बिष्ट, आइशा आदि मौजूद रहे।

महाविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी व अन्य

मनोदशा पटल के माध्यम से बताया समस्याओं का निराकरण

कोटद्वार के हेरिटेज में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः हेड हेरिटेज एकेडमी में मूड बोर्ड (मनोदशा पटल) प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने मनोदशा पटल के माध्यम से आमजन को समस्याओं के निराकरण का तरीका बताया।

विद्यालय में 12वीं के विद्यार्थियों की ओर से मूड बोर्ड की प्रदर्शनी लगाई गई थी। विद्यार्थियों ने बताया कि समस्या कितनी भी बड़ी हो। लेकिन, एक दृढ संकल्प से इसका निराकरण किया जा सकता है। प्रदर्शनी में विद्यालय के 135 विद्यार्थियों ने भाग लिया। एकेडमी के प्रंबधक निदेशक कर्नल कुंवर अजय सिंह ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाओं से विद्यार्थियों को कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य डा. रूपमाला सिंह, डा. आरएस चौहान, डा. वंदना चौहान, अनीता सिंह आदि मौजूद रहे।

जयंती पर जगदीश चंद्र बसु को किया याद

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के पदमपुर मोटाढाक स्थित रोहित अग्रवाल सरस्वती विद्यामन्दिर इंटर कॉलेज में गुरुवार को भारतीय वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय स्तर पर निबंध, विज्ञान प्रश्न मंच और विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आरंभ करते हुए प्राचार्य कुंज बिहारी भट्ट ने छात्र-छात्राओं को वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु के व्यक्तित्व व कृतित्व पर जानकारी दी। तत्पश्चात आयोजित प्रतियोगिताओं के अंतर्गत निबन्ध प्रतियोगिता के बाल वर्ग में खुशबू पहले, मानवी दूसरे और प्रिया तीसरे स्थान पर रही। किशोर वर्ग में समृद्धि ने पहला, सौरभ ने दूसरा और रोहित ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। तरुण वर्ग दिव्यांशी, रिया जदली और जैसमीन क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। विज्ञान प्रश्नमंच के बाल वर्ग में रोविन, अनुज व विपिन ने संयुक्त रूप से पहला, तन्मय, अंकित व सुहाना ने दूसरा और सोनिया, ईशान व दिव्यांशु ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। तरुण वर्ग में दिव्या, प्रियांशु व आशुतोष ने पहला, जैसमिन, मानसी व दिव्यांशी ने दूसरा और रक्षा, गौरव व आदित्य ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंत में सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का किया स्वागत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बेसिक शिक्षक भर्ती में एनआइओएस डीएलएड को शामिल न करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बीएड प्रशिक्षित महासंघ ने हर्ष जताया है।

इस संबध में संघ कार्यालय में आयोजित बैठक में प्रवक्ता अरविन्द दुदपुड़ी ने कहा कि पिछले एक साल से प्राथमिक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया रुकी हुई थी।

अब कोर्ट का निर्णय बीएड टीईटी धारकों के पक्ष में आया है, जिससे बीएड प्रशिक्षित अभ्यार्थियों में खुशी की लहर है। कहा कि एनआईओएस डीएलएड प्रशिक्षितों को प्राथमिक स्कूलों की भर्ती में सम्मलित किये जाने को लेकर यह प्रकरण सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया था। मौके पर प्रशिक्षितों ने राज्य सरकार से अविलम्ब रुकी हुई शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को अविलबं आरंभ करने की मांग की। बैठक में अचलेश बलोदी, सतपाल रावत, जनार्दन बोंठियाल, सुदीप देवलियाल, अनूप बिष्ट व विकास सहित अन्य प्रशिक्षित मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं को दी बौद्धिक संपदा अधिकारों की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : इंस्टिट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) की ओर से बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरुकता मिशन की विशेषज्ञ ने छात्र-छात्राओं को बौद्धिक संपदा के अधिकारों की जानकारी दी।गुरुवार को बलभद्रपुर स्थित संस्थान परिसर में मैनेजमेंट विभाग की ओर आयोजित कार्यशाला का संस्थान के एमडी बीएस नेगी ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा (आईपी) संपत्ति की एक श्रेणी है जिसमें मुख्य रूप से कॉपीराइट, पेटेंट शामिल होते हैं। उन्होंनें छात्र-छात्राओं को किसी की नकल करने की अपेक्षा अपना अनुसंधान कर उसे कॉपीराइट कराने की अपील की। कार्यशाला की मुख्य वक्ता राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरुकता मिशन की विशेषज्ञ पूनम कुमार ने अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं को प्रोजेक्टर के माध्यम से पेटेंट, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट और डिजाइन पंजीकरण की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसी की रजिस्टरर्ड प्रोडक्ट की नकल करना गैर कानूनी है। इसका उल्लंघन करने पर व्यक्ति को खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। उन्होंने छात्रों को अपने अनुसंधान को पेटेंट कराने और डिजाइन को पंजीकृत कराने की विधि की भी जानकारी दी। इस अवसर पर संस्थान के ईडी अजयराज नेगी, डायरेक्टर एडमिन कर्नल बीएस गुसाईं, मैनेजमेंट विभागाध्यक्ष डॉ. अश्वनि शर्मा, कार्यक्रम समन्वयक सुरेंद्र सिंह जगवाण, प्रदीप भट्ट, सुबोध केष्टवाल, ममता, अजय आचार्य, टीना जोशी, विवेक कुमार समेत विभाग के सभी शिक्षक मौजूद रहे।

आईएचएमएस में आयोजित की गई बौद्धिक संपदा अधिकार कार्यशाला

आयोजित कार्यशाला में जानकारी देते विशेषज्ञ

बीडीसी में छाए पेयजल, सड़क और शिक्षा के मुद्दे

पौड़ी : बीडीसी एकेश्वर की बैठक में पेयजल, सड़क और शिक्षा सहित विभिन्न मुद्दे छाए रहे। ब्लाक प्रमुख एकेश्वर नीरज पांथरी की अध्यक्षता में आयोजित बीडीसी बैठक में सदस्यों ने सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों के सुरक्षित निकाले जाने पर खुशी जाहिर की। बीडीसी में उरेडा, बिजली, उद्योग, स्वजल, आरइएस आदि विभागों द्वारा हिस्सा नहीं लिए जाने पर निंदा प्रस्ताव भी पारित किया गया। इस संबंध में प्रस्ताव डीएम को भेजने की बात कही गई। बैठक में बीडीओ पीएस नेगी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के साथ ही वोटर लिस्ट में नए नामों को जोड़ने और हटाएं जाने संबंधी चल रही प्रक्रिया भी जानकारी सदन में दी। बैठक में लोनिवि, पेयजल, एमआई, बाल विकास, मत्स्य, स्वास्थ्य और शिक्षा आदि विभागों से जुड़ी समस्याओं को सदस्यों ने रखा। साथ ही राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाटीसैंण के जर्जर भवन को लेकर भी एसडीएम अबरार अहमद ने बीईओ एकेश्वर को दिशा-निर्देश दिए। सदस्यों ने सुरखेत से रणस्वा, गजेरा से ठंगसोली, नंदा देवी से पालदेव ढौंरी और रामपुर से नौखंडी तक सड़क स्वीकृति की भी मांग उकी। बैठक में जिला पंचायत सदस्य सीमा सजवाण, ज्येष्ठ उपप्रमुख दिशार्थ नेगी, बीडीसी सदस्य दीपा देवी, धर्म सिंह, सुखेदव, गौरव नेगी, अनिल, सतेंद्र सिंह, कल्याण सिंह, तेजपाल सिंह पंवार, पूनम देवी, नितिन कुमार, दीपक पांथरी आदि मौजूद रहे। संचालन एडीओ पंचायत प्रदीप सुंदरियाल ने किया।

लोक गायिका हेमा करासी के गीतों पर थिरके लोग

श्रीनगर गढ़वाल : बैकुण्ठ चतुर्दशी एवं विकास प्रदर्शनी मेले की पांचवीं सांस्कृतिक संध्या लोक गायिका हेमा करासी नेगी ने खूब रंग जमाया। गायिका हेमा करासी ने मां भगवती नंदा का आह्वान करते हुए सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ किया। इसके बाद मेरी बामणी बामणी... आदि गीतों पर दर्शक जमकर थिरके। बड़ी संख्या में पहुंचे दर्शकों ने जागर व लोकगीतों का लुफ्त उठाया। भक्तियाना स्थित आवास विकास की भूमि पर नगर निगम श्रीनगर के सौजन्य से आयोजित पांचवी सास्कृतिक संध्या में सैकड़ों दर्शक पंडाल में जमकर नाचे। लोक गायिका हेमा नेगी करासी ने गिर गेंदुवा....., मेरी बामणी, आछरी जागर सहित बेहतरीन लोक गीतों की प्रस्तुति दी। देर रात तक पंडाल में दर्शक हेमा नेगी के गीतों पर थिरकते रहे। इस मौके पर लोक गायक अमित सागर और गायिका हेमा करासी ने चैता की चैत्वाली...की प्रस्तुती दे कर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इससे पूर्व सांस्कृतिक संध्या का गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री डा. सतपाल महाराज और पौड़ी विधायक राजकुमार पौरी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ संकल्प के चलते आज रेल पहाड़ पर चढ़ रही है। कहा कि आज देश एवं उत्तराखंड में जो विकास हुआ है वह अभूतपूर्व है। कहा कि मेले हमारी संस्कृति के धरोहर है, लेकिन आज के नौनिहाल अपनी संस्कृति और गढ़वाली भाषा को भूलते जा रहे हैं, उन्हें सभी नौनिहालों से अपनी संस्कृति, बोली भाषा और अपने मूल को अपना कर देश विदेश में अपनी संस्कृति को ले जाने की बात कही। कहा कि उत्तराखंड का पारम्परिक भोजन आज विश्व पटल पर परोसा जा रहा है।

छः पुलिस कार्मियों को दी सेवानिवृत्ति पर विदाई

पुलिस के तीन कार्मिक अधिवर्षता पूर्ण करने एवं तीन कार्मिक हुये ऐच्छिक सेवानिवृत्त

जयन्त प्रतिनिधि

पौड़ी : पौड़ी जिले से गुरुवार को 6 पुलिस कार्मिकों को सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गई। इनमें से 3 कार्मिकों ने ऐच्छिक सेवानिवृत्त वाले भी शामिल है। पुलिस अफसरों ने सेवानिवृत्ति पर स्मृति चिह्न देकर पुलिस फोर्स में उनके कार्यों की सराहना की। विदाई समारोह में पुलिस कार्मिकों ने अपने अनुभवों को भी साझा किया। रिटायर होने वालों में एएसआई कालिका प्रसाद, मनोज गुरूंग, और आरक्षी नरेन्द्र सिंह सहित आरक्षी धर्म सिंह, आरक्षी संजय कुमार ,मुख्य आरक्षी कृपाराम शर्मा शामिल है।

समारोह में अपर पुलिस अधीक्षक संचार अनूप काला ने कार्मिकों को स्मृति चिह्न और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। एएसपी संचार ने पुलिस विभाग को दी गई सेवाओं की सराहना की। अपर उपनिरीक्षक कालिका प्रसाद 1 मई 1982 को आरक्षी

के पद पर भर्ती हुये तथा वर्ष 2001 में मुख्य आरक्षी एवं 17 नवंबर को अपर उपनिरीक्षक के पद पर पदोन्नत हुए। कालिका प्रसाद द्वारा 41 वर्ष 06 माह अपनी सेवाएं पुलिस विभाग को प्रदान की गयी।

मनोज गुरूंग 10 मई 1982 को आरक्षी के पद पर भर्ती हुये तथा 6 जुलाई 2017 को मुख्य आरक्षी एमटी एवं 17 नवंबर 2022 को अपर उपनिरीक्षक एमटी के पद पर पदोन्नत हुये। मनोज गुरूंग द्वारा 41 वर्ष 06 माह अपनी सेवाएं पुलिस विभाग को प्रदान की गयी। आरक्षी नरेन्द्र सिंह (भूतपूर्व सैनिक) 19 नवंबर 2008 को आरक्षी पद पर भर्ती हुये। नरेन्द्र सिंह द्वारा 15 वर्ष अपनी सेवाएं पुलिस विभाग को प्रदान की गयी। आरक्षी धर्म सिंह 24 अप्रैल 2002 को आरक्षी के पद पर भर्ती हुये। उन्होंने 21 वर्ष 07 माह अपनी सेवाएं पुलिस विभाग को प्रदान की।

आरक्षी संजय कुमार 29 अप्रैल 2002 को आरक्षी के पद पर भर्ती हुये। उन्होंने 21 वर्ष 07 माह अपनी सेवाएं पुलिस विभाग को प्रदान की। अपने सेवाकाल में ड्यूटी के प्रति लगनशील, मेहनती, मृदुभाषी एवं व्यवहार कुशल रहे हैं। मुख्य आरक्षी कृपाराम शर्मा 10 अक्टूबर 2001 को आरक्षी के पद पर भर्ती हुये तथा 26 नवंबर 2022 को मुख्य आरक्षी के पद पर पदोन्नत हुये। कृपाराम शर्मा द्वारा 22 वर्ष 01 माह अपनी सेवाएं पुलिस विभाग को प्रदान की गयी। अपने सेवाकाल में ड्यूटी के प्रति लगनशील, मेहनती, मृदुभाषी एवं व्यवहार कुशल रहे हैं।

डीईओ को मिली बीईओ पौड़ी की जिम्मेदारी

पौड़ी : मुख्य शिक्षाधिकारी ने जिला शिक्षाधिकारी का कार्यभार बीईओ पौड़ी को सौंपा दिया है। जनपद पौड़ी में डीईओ माध्यमिक बीते सितंबर में रिटायर हो गए थे, तब से डीईओ माध्यमिक का कार्य सीईओ के पास ही था। शासन ने हाल ही में लंबे समय से खाली चल रहे बीईओ पौड़ी के पद पर मास्टर आदर्श की तैनाती की थी। मास्टर आदर्श ने बीईओ पौड़ी का चार्ज कुछ दिन पहले ही लिया है। पौड़ी के सीईओ डीएस गौड़ ने बताया कि डीईओ माध्यमिक का प्रभार भी फिलहाल बीईओ पौड़ी को ही दिया गया है। अफसरों की कमी के कारण जिले स्तर के अफसरों का कामकाज ब्लाक स्तर के अफसरों को देखना पड़ रहा है। डीईओ बेसिक का अतिरिक्त चार्ज पहले ही बीईओ कोट सावेद आलम देख रहे हैं।

कला उत्सव में छात्र-छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : राजकीय इंटरक कॉलेज पौड़ी में आयोजित कला उत्सव में छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। पारंपरिक लोक संगीत में हेमा चक्रवर्ती व लक्ष्य चंदेल, स्वर वाद्ध में आंचल व आदर्श, शास्त्रीय नृत्य में साक्षी अव्वल रहे।

कला उत्सव में 10 अलग-अलग कला विधाओं में जिले के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। इन विधाओं में संगीत (गायन) शास्त्रीय संगीत, पारंपरिक लोक संगीत, संगीत (वादन), अवनद्ध वाद्य एवं स्वर वाद्य, नृत्य शास्त्रीय नृत्य एवं लोक नृत्य, दृश्य कला (द्वि-आयामी) एवं (त्रि-आयामी), स्थानीय खिलौने एवं खेल और नाटक (एकल अभिनय) शामिल थे।

पारंपरिक लोक संगीत में हेमा व लक्ष्य, स्वर वाद्ध में आंचल व आदर्श रहे अव्वल

कार्यक्रम संयोजक आशीष नेगी ने बताया कि उत्सव में पौड़ी जिले से करीब 105 प्रतिभागियों ने इन 10 प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया। बताया कि जिसमें संगीत गायन शास्त्रीय संगीत में वृंदा व बॉबी रावत, पारंपरिक लोक संगीत में हेमा चक्रवर्ती व लक्ष्य चंदेल, संगीत वादन अवनद्ध वाद्य में चांदनी व दीपांशु, स्वर वाद्ध में आंचल व आदर्श, शास्त्रीय नृत्य में साक्षी, लोकनृत्य में जया व सुशांत चंद्र, दृश्य कला द्वि आयामी में श्रुती बड़थ्वाल व सूजल नेगी, दृश्य कला त्रिआयामी में प्रियंका व सागर स्थानीय खिलौने एवं खेल में निहारिका और नाटक एकल अभिनय में वैशाली व आर्यन अव्वल रहे।

निर्णायक की भूमिका में मनोज रावत अंजुल, हिमानी भट्ट, इंद्र मोहन चमोली, विकास बड़थ्वाल, नागेंद्र, पदमेंद्र नेगी, त्रिलोक नेगी ,प्रदीप रावत, हरीश, विकास बिष्ट, लक्ष्मी द्वारा निभाई गई। इस मौके पर अपर निदेशक गढ़वाल बेसिक बीएस रावत, खण्ड शिक्षा अधिकारी पौड़ी मास्टर आदर्श, प्रधानाचार्य वेद प्रकाश डोभाल आदि शामिल रहे।

पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग लेकर सीएम और राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा ने सांसद के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजकर जल्द ही पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग की है। मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि 10 दिसंबर को मुख्यमंत्री आवास कूच किया जाएगा। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा पुरानी पेंशन बहाली हेतु लगातार संघर्षरत है। इस दौरान मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि 1 से 9 दिसंबर तक जनजारूकता अभियान चलाया जाएगा। जिसमें कर्मचारियों को 10 दिसंबर को होने वाले मुख्यमंत्री आवास कूच कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने के लिए जागरूक किया जाएगा।

मोर्चा के पदाधिकारियों का कहना है कि पुरानी पेंशन बहाली के लिए विभिन्न

कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार पर दबाव बनाया जा रहा है। लेकिन सरकार द्वारा अभी तक इस पर कोई भी सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया है। जिसके कारण कर्मचारियों को सख्त कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। मोर्चा द्वारा गुरुवार को गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत के माध्यम से मुख्यमंत्री उत्तराखंड को व गढ़वाल आयुक्त कार्यालय के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा गया। ज्ञापन देने वालों में प्रदेश महासचिव सीताराम पोखरियाल, प्रदेश अध्यक्ष जयदीप रावत, दीपक नेगी, धर्मेंद उनियाल, प्रेमचंद्र ध्यानी, रेवती नंदन डंगवाल, ब्रजभूषण यादव आदि थे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का रथ पहुंचा एकेश्वर ब्लॉक

पौड़ी : गुरुवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा का रथ एकेश्वर ब्लाक की ग्राम सभा मटचोरी और बड़ेथ पहुंचा। एकेश्वर ब्लॉक प्रमुख नीरज पांथरी ने लाभार्थियों से संवाद कर चर्चा की। इस दौरान लाभार्थियों ने प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार की योजनाओं की सराहना की।

ज्ञातव्य हो कि यात्रा के रथ को पौड़ी मुख्यालय से डीएम ने हरी झंडी दिखाकर ग्राम पंचायतों के लिए रवाना किया था। रथ यात्रा का मकसद केंद्र और प्रदेश सरकारी की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाना है। गुरुववार को रथ यात्रा के मटचोरी और बड़ेथ पहुंचने पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमे ब्लॉक प्रमुख एकेश्वर नीरज पांथरी ने केंद्र और प्रदेश सरकार विभिन्न योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी। साथ ही भारत को आत्म निर्भर बनाने हेतु ग्रामीणों से संवाद किया। ब्लाक प्रमुख ने इस दौरान प्रधानमंत्री आवास, उज्वला योजना, आयुष्मान भारत, किसान क्रेडिट कार्ड, किसान समान निधि के लाभर्थियों से संवाद कर चर्चा की। कायक्रम में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के साथ ही स्वास्थ्य, कृषि विभाग, मनरेगा, एनआरएलम् , विकास खण्ड के ग्राम पंचायत नोडल अफसर, न्याय पंचायत नोडल सहित खण्ड विकास अधिकारी पीएस नेगी आदि भी मौजूद रहे।

सौरभ और प्रियांशु ने जीता श्रीनगर के सितारे का खिताब

श्रीनगर गढ़वाल : बैकुण्ठ चतुर्दशी मेले में आयोजित श्रीनगर के सितारे प्रतियोगिता में युवाओं ने अपने हुनर का जलवा बिखेरा।

छात्रों ने गायन और नृत्य की बेहतरीन प्रस्तुति देते हुए दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नृत्य प्रतियोगिता में सौरभ प्रभाकर और गायन में प्रियांशु नौटियाल ने श्रीनगर के सितारे का खिताब अपने नाम किया।

नगर पंचायत को ट्रेंचिंग ग्राउंड के लिए नहीं मिली भूमि

सतपुली : नगर पंचायत सतुपली के पास अभी तक कूड़ा निस्तारण की सही व्यवस्था नहीं हो पाई है। ट्रंचिंग ग्राउंड के लिए पंचायत प्रशासन की जमीन की तलाश पूरी नहीं हो सकी। ट्रंचिंग ग्राउंड न होने की वजह से कूड़ा सड़क किनारे बिखरा पड़ा रहता है। जिसक कारण शहरवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

शहर के कूड़े का निस्तारण करने के लिए पंचायत प्रशासन को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और साथ ही इस कूड़े को सड़क के किनारे खाली जगहों पर डंप किया जा रहा है। इन स्थानों पर लावरिश पशु भी अपने भोजन की तलाश में जमवाड़ा लगा देते है। ऐसे में यह कूड़ा इधर-उधर बिखर जा रहा और दुर्गंध की वजह बन रहा है। एक उचित स्थान नहीं होने की वजह से कूड़े के डम्पिंग यार्ड यार्ड खाली जगहों पर उडेले जा रहे हैं। बिखरे कूडे को लेकर यहां राउमा कन्या स्कूल को भी दिक्कतें हो रही है। शिक्षकों के मुताबिक इस समस्या से नगर पंचायत को अवगत कराया गया है। नगर पंचायत की अधिशासी अभियंता सीमा रावत का कहना है कि कूड़ा निस्तारण के लिए कायावाही गतिमान है। दो साल पहले इसके लिए बजट भी आ चुका है इसके लिए जमीन की तलाश की जा रही है। जैसे ही भूमि मिल जाएगी इस पर कार्य शुरू किया जाएगा।

सर्द मौसम में भी धधक रहे जंगल, पोखड़ा रेंज के जंगलों में लगी आग

पौड़ी : गढ़वाल वन प्रभाग पौड़ी के पोखड़ा रेंज से सटे हुए फरसाड़ी के जंगल दो दिनों से सर्द मौसम में आग से दिन-रात धधक रहे हैं। जिसके कारण रिजर्व फारेस्ट के अंदर ही कई हेक्टेअर वन भूमि इस आग की चपेट में आ गई है। वनाग्नि को लेकर विभाग की तैयारियां शुरू में ही कम पड़ती दिखाई दे रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जंगल में आग लगने से उनके पशुओं के लिए चारा पत्ती की भी समस्या खड़ी हो गई है। आग पर काबू नहीं पाया जाता है यहां सुकई, जिवई, छाछीरैं, ठंगा की ओर बढ़ सकती हैं। वनाग्नि से जंगली जानवर भी घरों की ओर आने लगे हैं।

बुधवार दोपहर से विकासखंड बीरोंखाल अंर्तगत पोखड़ा रेंज के फरसाड़ी के जंगलों में आग लगी हुई है। आग से चीड़, देवदार, काफल आदि के हरे पेड़ों को नुकसान पंहुचा है। सामाजिक कार्यकर्ता अनिल, पंकज सिंह, होवत सिंह, हरी सिंह का कहना है कि आग से ग्रामीण भी दहशत में हैं। उधर, पोखड़ा रेंज अधिकारी नक्षत्र शाह से संपर्क करने पर बताया कि फरसाड़ी के जंगलों में आग लगी हैं आग बुझाने के लिए टीम भेज दी हैं। वहीं डीएफओ गढ़वाल प्रभागीय अधिकारी स्वप्रिल अनिरुद्ध ने बताया कि फरसाड़ी कंम्पाड़ में आग लगने की सूचना रेंज अधिकारी से मिली है। सभी स्टाफ को आग बुझाने के लिए मौके पर भेज दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि आग असामाजिक तत्वों द्वारा लगाई होगी तो इसकी जांच कर नियमाअनुसार कार्रवाई की जाएगी।

डीएम खुराना ने की हेमकुंड यात्रा मार्ग पर संचालित अवस्थापना विकास कार्यो की समीक्षा

चमोली : जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने गुरूवार को वीसी के माध्यम से हेमकुंड यात्रा मार्ग पर संचालित अवस्थापना विकास कायी की समीक्षा की। उन्होंने कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि यात्रा मार्ग पर संचालित अवशेष कायी को गुणवत्ता के साथ शीर्ष प्राथमिकता पर पूर्ण किया जाए। पुलना से भ्यूंडार तक मोटर मार्ग निर्माण हेतु प्रस्तावित आंगणन के साथ भ्यूंडार में पार्किंग, घोडा पड़ाव, सामुदायिक शौचालय एवं अन्य जरूरी व्यवस्थाओं के लिए कम्पोजिट प्लान तैयार किया जाए। जल संस्थान को गोविन्द घाट में रिवर वैड फिल्टरेशन लगाने हेतु शीघ्र प्रस्ताव उपलब्ध और पीएमजीएसवाई को गोविन्द घाट-पुलना वाईपास पर पुस्ता निर्माण कार्यों को दिसंबर तक पूरा करने के निर्देश दिए। आपदा प्रबंधन अधिकारी को पुलना से आधा किलोमीटर पहले लक्ष्मण गंगा से हो रहे भूधसांव के ट्रीटमेंट हेतु आईआईटी रूड़की से जांच कराने के बाद आपदा न्यूनीकरण में प्रस्ताव उपलब्ध कराने को कहा। इस दौरान यात्रा मार्ग पर संचालित मोड सुधारीकरण, रैलिंग एवं सतह मरम्मत, यात्री शैड, बैच, माइलस्टोन घोडा पड़ाव बाईपास निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अवशेष कायी को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए गए। लोनिवि के अधिशासी अभियंता ने बताया कि हेमकुंड यात्रा मार्ग पर संचालित कायी को 15 निर्माण कार्यों में से आठ कार्य पूर्ण कर लिए गए है जबकि सात कार्यो में 90 प्रतिशत कार्य कर लिया गया है। इस दौरान अपर जिलाधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, एसडीएम कुमकुम जोशी, लोनिवि के अधिशासी अभियंता आरएस चौहान, ईई विद्युत अमित सक्सेना, गुरुद्वारा प्रबंधक सेवा सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे। (एजेंसी)

सिलक्यारा में पसरा सन्नाटा, श्रमिक छुट्टी पर

उत्तरकाशी : यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग के अंदर फंसे 41 मजदूरों के सकुशल बाहर निकलने के बाद सिलक्यारा में दो दिन से सन्नाटा पसरा है। सुरंग के अंदर फिलहाल काम बंद पड़ा है और रेस्क्यू कार्य के लिए लाई गई अधिकांश हाइटेक मशीनें वापस लौटा दी गई हैं। हालांकि, सुरंग के ऊपर पहाड़ी हिस्से पर वर्टिकल ड्रिलिंग के लिए लाई गई कुछ भारी भरकम मशीन अभी तक मौके पर मौजूद हैं। यहां काम करने वाले श्रमिकों को भी लगभग एक सप्ताह के लिए कंपनी के अधिकारियों ने छुट्टी पर भेज दिया है और सुरंग परिसर में सुरक्षा बढ़ाकर गतिविधियों की निगरानी रखी जा रही है। वहीं, सुरंग में हादसे के कारणों की जांच के लिए आजकल में केंद्रीय जांच टीम ने यहां पहुंचना था, लेकिन अभी तक टीम नहीं पहुंची है।गत मंगलवार को सिलक्यारा सुरंग के अंदर फंसे श्रमिकों के सकुशल बाहर निकलते ही यहां पिछले 17 दिन से जारी तमाम तरह की गतिविधियां भी समाप्त हो गई। सिलक्यारा में अब पहले की तरह फिर से सन्नाटा पसर गया है। खासकर मजदूरों के बाहर निकलते ही काम बंद होने और श्रमिकों के छुट्टी पर चले जाने से सिलक्यारा में वीरानी छाई है। सिलक्यारा में 17 दिन तक मजदूरों को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू कार्य चला। रेस्क्यू कार्य के चलते इन दिनों में यहां वीवीआईपी मूवमेंट से खासी चहलकदमी रही, लेकिन अब ऐसा नहीं है। डीएम अभिषेक रूहेला ने बताया कि अग्रिम आदेशों तक सुरंग में काम बंद रखा गया है। वहीं, ब्रह्मखाल चौकी इंचार्ज एसआई गंभीर सिंह ने बताया कि मौके पर निगरानी के लिए पुलिस जवानों की ड्यूटी लगाई गई है। रेस्क्यू कार्य के लिए मंगवाई गईं अधिकांश मशीनें लौटा दी गई हैं, कुछ बड़ी मशीनें लौटानी शेष रह गई हैं, जिनको ले जाने की तैयारी है। केंद्रीय जांच टीम किसी भी दिन यहां पहुंच सकती है, जो सुरंग हादसें के कारणों की पड़ताल करेगी। (एजेंसी)

नवनियुक्त सीडीओ ने किया कार्यभार ग्रहण

चमोली : चमोली में नव नियुक्त मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया। मुख्य विकास अधिकारी वर्ष 2013 के बैच के आईएएस अधिकारी है।

उन्होंने पूर्व में चमोली जिले में बतौर संयुक्त मजिस्ट्रेट सेवा दी है। जिसके बाद स्थानान्तरण पर उन्हें जनपद रुद्रकी में संयुक्त मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अब शासन की ओर से उनकी पदोन्नति करते हुए उन्हें चमोली जनपद के मुख्य विकास अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी है। उनके कार्यभार ग्रहण करने पर विकास विभाग के साथ अन्य विभागीय अधिकारियों ने उनका स्वागत करते हुए बधाई दी है। (एजेंसी)

वन कर्मियों को दिया वन संपदा के सरंक्षण का प्रशिक्षण

उत्तरकाशी : वन संपदा के संरक्षण के लिए टौंस वन प्रभाग पुरोला की ओर से दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें वन विभाग के कर्मचारियों को पन अधिनियम हक हकूकों आदि की जानकारी दी गई। गुरुवार को वन चेतना केन्द्र पुरोला में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ वन सरंक्षक कुंदर कुमार ने किया। इस मौके पर कुंदन कुमार ने वन कर्मियों को जानकारी देते हुए कहा कि प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य वन कर्मियों को वन अधिनियम,हक हकूकों, वन पंचायतों सहित पर्यावरण संरक्षण में वन कर्मियों की भूमिका तथा विभाग की विभिन्न योजनाओं के क्रियानवित करना है। पेड़ों के छपान एवं कटान-चिरान तथा वन अपराधों से संबंधित विधिक प्रक्रिया एवं वन विधि संबंधी जानकारी प्रशिक्षण शिविर में दी जायेगी। इस मौके पर प्रभागीय लॉगिंग प्रबंधक गोपाल सिंह बिष्ट ने सभी वन कर्मियों को वन क्षेत्र के अंतर्गत सभी कार्यों व क्रियाकलापों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि वन संपदा संरक्षण के लिए सजग रहकर प्राथमिकता से जनहित कार्यों को करने की बात कही। कार्यशाला में आरओ अचल गौतम,अनमोल इश्टवाल, अमिता चौहान सहित सभी रेंज के वन क्षेत्राधिकारी, वन दरोगा व वन वीट अधिकारी वन कर्मी मौजूद रहे। (एजेंसी)

एनसीसी हमें अनुशासन एवं एकता का देता है संदेश

चमोली : राआइंका मेलचौरी में गुरुवार को एनसीसी दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर में पूर्व जिपंस, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष एवं सांसद प्रतिनिधि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। इस मौके पर उन्होंने एनसीसी दिवस की शुभकामनाएं देते हुये कहा कि एनसीसी हमें अुनशासन एवं एकता का संदेश देता है। कार्यक्रम विशिष्ठ अतिथि जिपंस बलवीर रावत ने विद्यालय में रेलिंग लगाने के लिए ढाई लाख देने की घोषणा की। इससे पूर्व एनसीसी केडिटों ने मार्च पास्ट व एनसीसी गीत गया व अन्य रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस मौके पर एनसीसी सीनियर विंग के अंडर अफसर कैप्टन हितेन्द्र बिष्ट ने बताया कि 26 नवंबर को स्थापना दिवस सूक्ष्म रूप से मनाया गया था अलबत्ता विद्यालय के सभी अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं यह कार्यक्रम देख सकें। इसलिए गुरुवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अंडर अफसर जूनियर विंग कैप्टन केएस कंडारी के संचालन में हुए इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य जेएस रावत, पूर्व ज्येष्ट प्रमुख अवतार नेगी, पूर्व कनिष्ठ प्रमुख प्रेम संगेला, प्रधान बलवीर मेहरा, मनोज नेगी, बृजमोहन मढ़वाल, हीरा सिंह नेगी रामेश्वरी नेगी, मनवर सिंह सहित दर्जनों अभिभावक मौजूद रहे। (एजेंसी)

सम्बन्ध विच्छेद

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी विवाहित पुत्री सुमन गौड़ पुत्री स्व0 योगेश्वर प्रसाद ध्यानी पत्नी श्री राजेन्द्र प्रसाद गौड़ एवं दामाद राजेन्द्र प्रसाद गौड़ पुत्र श्री गोवर्द्धन प्रसाद गौड़ हाल निवासी द्वारिका नई दिल्ली मेरे कहने सुनने में नहीं है तथा मेरे साथ क्रूरता पूर्ण व्यवहार करते है। वह मेरी चल-अचल सम्पत्ति को हड़पना चाहते है। मैं अपनी पुत्री सुमन गौड़ एवं दामाद राजेन्द्र प्रसाद गौड़ को अपनी समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूँ। उनके द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के कृत्य एवं लेन-देने के लिए मेरी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

उर्मिला देवी पत्नी यागेश्वर प्रसाद ध्यानी
निवासी उमेशनगर नजीबाबाद रोड, काशीरामपुर, कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(1465/21)

मिनिस्ट्रीयल कर्मी सात दिसंबर को जिला मुख्यालय में करेगें प्रदर्शन

टिहरी : 21 सूत्रीय मांगों को लेकर की जा रही गेट मीटींग के अंतिम दिन फेडरेशन आफ मिनिस्ट्रीयल सर्विसेज एसोसिएशन के कर्मी कलक्ट्रेट में डीएम कार्यालय के समक्ष गरजे। अब अगली रणनीती के तहत मिनिस्ट्रीयल कर्मी आगामी 7 दिसंबर को जिला मुख्यालय पर एक दिवसीय वृहद धरना-प्रदर्शन करते हुए डीएम के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजेंगे। जिसके लेकर पूरे जनपद के मिनिस्ट्रीयल कर्मियों ने जिला मुख्यालय पर जुटने की अपील की गई है।गेट मीटिंग के अंतिम 16वें दिन मिनिस्ट्रीयल कर्मियों ने काली पट्टी बांधकर डीएम कार्यालय के समक्ष गेट मीटिंग कर जनजागरण किया। इस मौके पर नारेबाजी करते हुए कर्मियों ने 21 सूत्रीय मांगों पर त्वरित कार्यवाही की मांग की। इस मौके पर कर्मचारी नेताओं ने कहा कि अगर प्रदेश सरकार उनकी मांगों पर जल्दी ही गौर नहीं करती है, तो एसोसियेशन आंदोलन की रणनीति तेज करेगा। जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह से सरकार की होगी। एसोसियेशन की मांग है कि कनिष्ठ सहायक के पद लेवल चार में 25500-81100 अनुमन्य किया जाय। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के वर्तमान कुल स्वीकृत 6 प्रतिशत पदों में से 03 प्रतिशत पदों को उच्चीकृत कर उपनिदेशक प्रशासक एवं प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी लेबल 67700-208700 किया जाय। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी समूह ख के राजपत्रित पद का गजट नोटिफिकेशन किया जाय। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के कर्तव्य और दायित्वों का निर्धारण पद की गरिता के अनुरूप किया जाय। 2005 के बाद नियुक्त कार्मिकों को अंशदायी पेंशन योजना से आच्छादित किया जाय आदि हैं। इस मौके पर एसोसियेशन के जिलाध्यक्ष राकेश भट्ट, सचिव उत्तम सिंह नेगी, प्रदीप, राजीव नेगी, नारायण सिंह रावत, मनोज भट्ट, राजेंद्र सिंह नकोटी, चंद्रेश्वर नारायण, भगत सिंह राणा, संदीप चौहान, अनिल नेगी, सुमन शर्मा, अनिल वर्मा, श्रवण कुमार यादव, अश्वनी कुमार बहुगुणा, राजेश राणा, मनजीत रौतेला, करण राणा, बबीता लाल, सीमा भटनागर आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

कार्यालय प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत दर्था विकास खण्ड दुगड्डा पौड़ी गढ़वाल

दिनांक 01-12-2023

महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के मुहरबन्द निविदायें राजकीय विभाग के पंजीकृत ठेकेदारों से उनकी वर्गीकृत श्रेणी के अनुसार दिनांक 07/12/2023 के प्रातः 11:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में आमंत्रित की जाती है, जो कि अधोहस्ताक्षरी अथवा उनके द्वारा मनोनीत प्रतिनिधि द्वारा उसी दिन प्रातः 11:00 बजे तक उपस्थित ठेकेदारों अथवा उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोली जायेगी। G.S.T का भुगतान ठेकेदार के द्वारा ही किया जायेगा निविदा प्रपत्र तथा अन्य जानकारी हेतु अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में दिनांक 01/12/2023 से 06/12/2023 तक निर्धारित शुल्क जमा कर कार्यालय दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि	निविदा का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	अन्य विवरण
1	ग्राम सभा दर्था के राजस्व गांव कोटियाल डांडा में पंचायत भवन पूरे की मरम्मत, छत की मरम्मत, पंचायत भवन में टायलस निर्माण कार्य, पंचायत भवन पर रंगरोगन कार्य, पुस्ता व फर्नीचर में 1 आफिस टेबल, 20 कुर्सी (अनुमानित लागत -4 लाख रूपये)	20000	1000 रू +GST	2 माह	

प्रधान ग्राम सभा दर्था
सचिव/ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत दर्था, वि0ख0 दुगड्डा, पौड़ी गढ़वाल

सम्पादकीय

औद्योगिक विकास का प्रयास

उत्तराखंड को उद्योगों की दृष्टि में एक आदर्श राज्य बनाने का प्रयास वर्तमान सरकार में जारी है जिसके तहत प्रदेश की राजधानी देहरादून में निवेशक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। उत्तराखंड में दूसरी बार निवेशक सम्मेलन बुलाया गया है जबकि इससे पहले वर्ष 2018 में पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत के कार्यकाल में इसे आयोजित किया गया था। राज्य सरकार इस बार निवेशक सम्मेलन में तीन हजार से अधिक निवेशकों को आमंत्रित कर रही है, ताकि अधिक से अधिक संख्या में उत्तराखंड में निवेश की संभावनाओं को बल मिल सके। राज्य सरकार के लिए यह एक बड़ी चुनौती है क्योंकि किसी भी प्रदेश के लिए औद्योगिक इकाइयों के विकास एवं गठन की व्यवस्था करना बेहद जटिल कार्य है। कोई भी औद्योगिक इकाई प्रदेश में बुनियादी सुविधाओं का आकलन एवं भरोसा होने के बाद ही पैर जमाने की कोशिश करती है। निश्चित तौर पर सरकार चाहेगी कि निवेशक सम्मेलन के माध्यम से पर्यटन, स्वास्थ्य, रियल एस्टेट, ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल, एग्रीकल्चर एवं हॉर्टिकल्चर, शिक्षा, ऊर्जा, साइंस एवं टेक्नोलॉजी समेत अलग–अलग क्षेत्र में निवेशकों को उत्तराखंड में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जाए। निवेशक सम्मेलन से पूर्व राज्य सरकार के प्रयासों का एक सुखद पक्ष यह है कि मुख्यमंत्री द्वारा विभिन्न देश के दौरे एवं रोड शो के माध्यम से अब तक दो लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव पर एमओयू हो चुका है। सरकार ने निवेशक सम्मेलन के लिए 2.50 लाख करोड़ निवेश का लक्ष्य रखा है। यहां यह बेहद जरूरी है कि राज्य सरकार महानगरों की अपेक्षा उत्तराखंड के दूसरे छोटे शहरों में भी उद्योगों को स्थापित करने के लिए निवेशकों को प्रेरित करें ताकि उन उक्त क्षेत्र में स्थानीय लोगों को रोजगार मिलने के साथ–साथ क्षेत्रीय विकास भी सुनिश्चित हो सके। यूं तो निवेशक सम्मेलन इससे पूर्व 2018 में भी आयोजित किया गया था लेकिन उसके अपेक्षित परिणाम नजर नहीं आए थे। उम्मीद की जा रही है कि जिस प्रकार से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उत्तराखंड में देश–विदेश के निवेशकों को आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं वह प्रयास भविष्य में फलीभूत होंगे और उत्तराखंड को विकास की दिशा में उद्योगों का एक बड़ा सहारा मिलेगा। राज्य गठन से पूर्व भी उत्तराखंड में उद्योग स्थापित करने की उम्मीदें की गई थी लेकिन राजनीतिक उठा पाठक एवं नेतृत्व के अस्थाई परिणाम ने राज्य को विकास की दिशा से भटका दिया। मुख्यमंत्री के प्रयास इस बार कम से कम एक अच्छे भविष्य का संकेत तो दे ही रहे हैं निवेशकों को राज्य में उचित माहौल के साथ–साथ बुनियादी सुविधाएं एवं सुरक्षा की पूर्ण गारंटी भी दी जाए।

मोदी का मकसद, कांग्रेस चुनौती न बने!

अजीत द्विवेदी

भाजपा ने क्यों पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में इतनी ताकत झोंकी? लोकसभा चुनाव से ठीक पहले क्यों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने को इस तरह दांव पर लगाया? क्यों मोदी और अमित शाह दोनों ने इन चुनावों को प्रतिष्ठा का सवाल बनाया है? क्यों ऐन केन प्रकारेण चुनाव जीतने की कोशिश हो रही है? आखिर पांच साल पहले भी तो इन राज्यों के चुनाव हुए थे और उनमें भी भाजपा हार गई थी, लेकिन उसके बाद लोकसभा चुनाव में पहले से ज्यादा सीटों के साथ जीती फिर इस बार इतनी चिंता करने की क्या जरूरत है? क्या भाजपा को लग रहा है कि इस बार 2018 और 2019 का इतिहास नहीं दोहराया जाएगा? क्या भाजपा को लग रहा है कि अगर पिछली बार की तरह इस बार कांग्रेस जीती तो 2024 की तस्वीर बदली हुई होगी? या यह माना जाए कि भाजपा के लिए यह रूटीन का मामला है, मोदी और शाह जिस तरह से सारे चुनाव लड़ते हैं वैसे ही ये चुनाव भी लड़ रहे हैं?

चार महीने पहले अगस्त में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा के साथ जिस तरह से इस बार के विधानसभा चुनावों का भाजपा ने आगाज किया उसे देख कर साफ लग रहा है कि यह रूटिन का चुनाव नहीं है। पिछली बार से उलट इस बार भाजपा ने किसी राज्य में मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित नहीं किया। पिछली बार भाजपा ने राजस्थान में वसुंधरा राजे, मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान और छत्तीसगढ़ में रमन सिंह के चेहरे पर चुनाव लड़ा था। इस बार भी ये तीनों नेता चुनाव लड़ रहे हैं लेकिन चुनाव उनके चेहरे पर नहीं, बल्कि नरेंद्र मोदी के चेहरे पर लड़ा जा रहा है। यह सही है कि प्रादेशिक नेताओं के मुकाबले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चेहरा ज्यादा लोकप्रिय है और भाजपा को वोट दिलाने वाला है लेकिन क्या लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री का इस तरह अपनी साख दांव पर लगाना सही रणनीति है?

असल में पूर्वोत्तर के मिजोरम को छोड़ कर चार राज्यों– राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना का विधानसभा चुनाव भाजपा सिर्फ जीत कर अपनी सरकार बनाने के लिए नहीं लड़ रही है, बल्कि कांग्रेस को हरा कर अगले साल के लोकसभा चुनाव में उसको चुनौती बनने से रोकने के लिए लड़ रही है। इन चार में से तीन राज्यों में कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी लड़ाई है। अगर आमने सामने की इस लड़ाई में भाजपा को हरा कर कांग्रेस जीतती है तो इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्मे,

उनकी सरकार के कामकाज और उनके बनाए नैरेटिव और हिंदुत्व, राष्ट्रवाद और उनके मजबूत नेतृत्व के ऊपर राहुल गांधी के करिश्मे और मोहब्बत की दुकान के उनके नैरेटिव की जीत माना जाएगा। इससे स्वाभाविक रूप से यह मैसेज बनेगा कि भाजपा को कांग्रेस अपने नैरेटिव, नेतृत्व और एजेंडे के दम पर हरा सकती है।

सीधे मुकाबले में भाजपा को हरा कर कांग्रेस अगले लोकसभा चुनाव में मुख्य चैलेंजर के तौर पर उभरेगी। प्रादेशिक पार्टियां भी मान लेंगी कि कांग्रेस ही भाजपा को हरा सकती है। यह धारणा बनने के बाद विपक्षी पार्टियां अपने आप उसके ईर्द–गिर्द इकट्ठा होंगी। पार्टियों के स्वाभाविक रूप से कांग्रेस के साथ गठबंधन में इकट्ठा होने के साथ साथ पूरे देश के भाजपा विरोधी मतदाता भी उसके पीछे खड़े होंगे। भाजपा विरोधी मतदाताओं की पहली पसंद कांग्रेस बनेगी। वे प्रादेशिक पार्टियां का साथ छोड़ कर भी कांग्रेस के पीछे एकजुट होंगे। इससे हिंदी पट्टी का पूरा चुनावी परिदृश्य बदल जाएगा। अब यह सवाल उठेगा कि पिछली बार भाजपा इन तीनों राज्यों में हार गई थी फिर क्यों नहीं चुनावी परिदृश्य बदला था? इसका पहला कारण यह था कि दो राज्यों– मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार 15 साल से चल रही थी और लोग उबे हुए थे तो राजस्थान में हर पांच साल में राज बदलने का रिवाज रहा है।

दूसरा कारण यह था कि ऐसा कुछ केंद्र सरकार के मामले में नहीं था। लोग नरेंद्र मोदी की सरकार से न नाराज थे और न उबे हुए थे। यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि मोदी से पहले भी देश के मतदाताओं ने मनमोहन सिंह को दूसरी बार सरकार चलाने का मौका दिया था। यह आम धारणा थी कि किसी भी सरकार के लिए एक कार्यकाल पर्याप्त नहीं होता है। लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एजेंडे पर भरोसा किया था और उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई दर्जनों योजनाओ को पूरा करने के लिए एक कार्यकाल और दिया था। तीसरा कारण यह था कि कांग्रेस बहुत बिखरी हुई और कमजोर थी। लोगों ने भाजपा और नरेंद्र मोदी के प्रचार से प्रभावित होकर ही सही लेकिन 2014 में कांग्रेस को जिस अंदाज में सजा दी थी उससे लोगों का जी नहीं भरा था। इसलिए कांग्रेस को लेकर भाजपा के मन में ज्यादा चिंता नहीं थी।

इस बार हालात बदले हैं। 2019 के बाद पांच साल में कांग्रेस ने अपने को संभाला है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और दक्षिण भारत के दलित नेता मल्लिकार्जुन खडगे को अध्यक्ष चुनने के बाद कांग्रेस अपने पैरों पर खड़ी हुई है। उसके बाद कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक का चुनाव जीता है। तभी हिंदी पट्टी के तीन राज्यों के अलावा दक्षिण में तेलंगाना के चुनाव को भी भाजपा ने प्रतिष्ठा का सवाल बनाया है। वहां भी प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने को झोंका और सारे दांव आजमाए। दलित समूहों के वर्गीकरण के जरिए आरक्षण के भीतर आरक्षण का वादा हो या बाबर, औरंगजेब के नाम पर वोट मांगना हो या प्रवासी भारतीयों के लिए मंत्रालय बनाने का वादा हो, भाजपा ने चुनावी जंग छेड़ी है। वहां भाजपा किसी तरह से कांग्रेस को रोकने की कोशिश में है, चाहे के चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति चुनाव जीत जाए।

इसका कारण यह है कि कर्नाटक के बाद अगर तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बनती है तो उसका कांग्रेस को दो फायदा है। पहला, संसाधनों से सक्षम दो राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनी तो लोकसभा चुनाव लडने के लिए कांग्रेस के पास संसाधनों की कमी नहीं रहेगी। दूसरे, लोकसभा चुनाव में दक्षिण भारत के राज्यों में कांग्रेस बिग बैंग के साथ वापसी करेगी। ध्यान रहे कांग्रेस हर बार केंद्र में हारने के बाद दक्षिण से ही वापसी करती रही है। तेलंगाना की जीत कांग्रेस के लिए इसलिए भी अहम होगी क्योंकि कर्नाटक के बाद वह दूसरा राज्य होगा, जहां से यह मैसेज बनेगा कि देश का मुसलमान और दलित कांग्रेस के साथ लौट रहा है।

राहुल और प्रियंका के साथ साथ खडगे का नेतृत्व भी मजबूत होगा, जिसका फायदा कांग्रेस को पूरे देश में मिल सकता है। इसलिए वहां भी कांग्रेस को रोकने का प्रयास हो रहा है। पांच राज्यों में 679 विधानसभा सीटों पर चुनाव हो रहे हैं अगर इसमें से कांग्रेस को भाजपा से ज्यादा सीटें मिलती हैं तो उसका बड़ा लाउड एंड क्लीयर मैसेज देश भर में जाएगा। अब तक भाजपा यह धारणा बना रही थी कि कांग्रेस से लडना उसके लिए आसान है और मोदी बनाम राहुल का चुनाव तो वह आसानी से जीतेगी लेकिन अब वही भाजपा चाहती है कि किसी तरह से कांग्रेस और राहुल से सीधा मुकाबला न बने।

क्योंकि सवाल राजनीतिक है

जो समस्या पैदा हुई है, उसका कारण संविधान की अस्पष्टता नहीं है। अगर केंद्र में सत्ताधारी पार्टी सर्वसत्तावादी महत्त्वाकांक्षाएं पाल ले, तो वे तमाम संवैधानिक प्रावधान महज कागज पर लिखी लकीर बन जाते हैं, जिनका मकसद व्यवस्था को नियंत्रित और संतुलित रखना है।विधेयकों को मंजूरी देने के मामले में राज्यपालों की अपेक्षित भूमिका के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने जो कहा है, उससे व्यवहार में कितना फर्क पड़ेगा, यह कहना मुश्किल है। कोर्ट इस बारे में संविधान के प्रावधान की उचित व्याख्या की है। लेकिन यह प्रावधान तो पहले से मौजूद है और उसमें कोई अस्पष्टता नहीं है। पंजाब और केरल की सरकारों और वहां के राज्यपालों के बीच चल रहे विवाद में अदालत ने कहा है कि अगर राज्यपाल किसी विधेयक को मंजूरी नहीं देना चाहते हैं, तो उन्हें अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए बिल को "यथाशीघ्र" पुनर्विचार के लिए विधानसभा को लौटा देना चाहिए। अब यहां असल मुद्दा इसी "यथाशीघ्र" की व्याख्या का है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बारे में कोई निश्चित समयसीमा तय नहीं की। संभवतः ऐसा करना

पंजाब और केरल की सरकारों और वहां के राज्यपालों के बीच चल रहे विवाद में अदालत ने कहा है कि अगर राज्यपाल किसी विधेयक को मंजूरी नहीं देना चाहते हैं, तो उन्हें अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए बिल को "यथाशीघ्र" पुनर्विचार के लिए विधानसभा को लौटा देना चाहिए। अब यहां असल मुद्दा इसी "यथाशीघ्र" की व्याख्या का है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बारे में कोई निश्चित समयसीमा तय नहीं की। संभवतः ऐसा करना संविधान के मुताबिक उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। इसीलिए उसने जो व्यवस्था दी है, उसे एक तरह से कोर्ट की सदिच्छा कहा जा सकता है। "यथाशीघ्र" का मतलब कितना समय है, इस बारे में राज्य सरकार और राज्यपाल की समझ अलग–अलग होने की गुंजाइश बची हुई है।

कोर्ट ने कहा है कि किसी विधेयक को लौटाए जाने के बाद अगर विधानसभा उनकी आपत्तियों पर गौर करते हुए या उसे नामंजूर करते हुए विधेयक को फिर से पारित कर देती है, तो फिर राज्यपाल के पास उस पर दस्तखत करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। यह भी संवैधानिक प्रावधान को दोहराया जाना ही है। बहरहाल, इस मामले में सुप्रीम कोर्ट को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इसलिए कि जो समस्या पैदा हुई है, उसका कारण संवैधानिक प्रावधान की अस्पष्टता नहीं है। बल्कि उसकी जड़ें मौजूदा राजनीतिक माहौल में छिपी हैं। अगर केंद्र की सत्ता में मौजूद पार्टी सर्वसत्तावादी महत्त्वाकांक्षाएं पाल ले, तो वे तमाम संवैधानिक प्रावधान महज कागज पर लिखी लकीर बन जाते हैं, जिनका मकसद व्यवस्था को नियंत्रित और संतुलित रखना है। चूंकि ऐसा एक राजनीतिक प्रक्रिया के माध्यम से होता है, इसलिए इसका समाधान भी ऐसी ही प्रक्रिया से ढूंढा जा सकता है। राज्यपालों के व्यवहार से जो राजनीतिक दल अपने को पीड़ित महसूस कर रहे हैं, उन्हें यह बात अवश्य याद रखनी चाहिए।

तेलंगाना के लोग तुष्टिकरण नहीं सशक्तिकरण के लिए करें वोट : अमित शाह

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तेलंगाना के वोटरों से बड़ी संख्या में ऐसी सरकार चुनने के लिए मतदान करने का आग्रह किया है जिसकी प्राथमिकता तुष्टिकरण नहीं बल्कि सशक्तिकरण हो। शाह ने कहा कि केवल भ्रष्टाचार मुक्त और गरीब समर्थक सरकार ही तेलंगाना की समृद्धि के लिए निस्वार्थ भाव से काम कर सकती है।

अमित शाह ने तेलंगाना के वोटरों से बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील करते हुए गुरुवार को सुबह एक्स पर अंग्रेजी और तेलुगु भाषा में अलग-अलग पोस्ट कर कहा, केवल भ्रष्टाचार मुक्त और गरीब समर्थक सरकार ही तेलंगाना की समृद्धि के लिए निस्वार्थ भाव से काम कर सकती है। मैं तेलंगाना के लोगों से अपील करता हूं कि वे एक ऐसी सरकार बनाने के लिए बड़ी संख्या में आएं, जिसके लिए प्राथमिकता सशक्तिकरण हो तुष्टिकरण नहीं।

तेलंगाना में राज्य की सभी 119 विधान सभा सीटों के लिए आज मतदान हो रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री केसीआर लगातार तीसरी बार राज्य की सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहे हैं। वहीं भाजपा और कांग्रेस भी अपने-अपने दलों के लिए वोटरों से समर्थन मिलने की उम्मीद कर रहे हैं।

इज़राइल ने 30 फ़िलिस्तीनी कैदियों को किया रिहा

यरुशलम ,(एजेंसी)। इजरायल ने फिलिस्तीनी आंदोलन हमास के साथ मानवीय संघर्ष विराम समझौते के तहत 30 फिलिस्तीनी कैदियों के छठे समूह को रिहा कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रिहा किए गए फ़िलिस्तीनियों को लेकर एक बस इज़रायल की ओफ़र जेल से निकली और रामल्ला शहर की ओर जा रही है। इससे रेड क्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति ने कहा कि गाजा पट्टी में बंधक बनाए गए 16 लोगों को रिहा कर दिया गया और उन्हें इजरायली अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

राष्ट्रपति पद के चुनाव में बाइडेन को वोट नहीं दूंगा : मस्क

वाशिंगटन ,(एजेंसी)। प्रसिद्ध उद्योगपति एलन मस्क ने कहा है कि वह चुनाव में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को वोट नहीं देंगे। मस्क ने कहा, मुझे लगता है कि मैं बाइडेन को वोट नहीं दूंगा। उन्होंने कहा कि बाइडेन द्वारा टेस्ला को व्हाइट हाउस में एक इलेक्ट्रिक वाहन शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित नहीं करने से उनका अपमान हुआ, जबकि कंपनी अन्य उपस्थित लोगों की तुलना में अधिक इलेक्ट्रिक वाहन बनाती है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अभी तक 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए किसी का समर्थन देने का फैसला नहीं लिया है।

बंगाल नौकरी घोटाला मामले में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, एक साथ कई ठिकानों पर छापेमारी

कोलकाता ,(एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को स्कूल और नगर पालिकाओं में नौकरी के लिए नकद मामलों में अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया। सूत्रों के मुताबिक, कोलकाता, उत्तरी 24 परगना के साल्ट लेक, कूच बिहार और मुर्शिदाबाद में तलाशी अभियान चल रहा है। जांच एजेंसी की सुरक्षा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के सशस्त्र जवान कर रहे हैं। स्कूल में नौकरी मामले को लेकर शहर के दक्षिणी बाहरी इलाके पटुली में कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के तृणमूल कांग्रेस पार्षद बप्पादित्य दासगुप्ता के आवास पर गुरुवार सुबह छापेमारी शुरू हुई।

नेपाल में पंजीकृत हुआ पहला समलैंगिक विवाह

ऐसा करने वाला दूसरा एशियाई देश बना

काठमांडू। नेपाल के पश्चिमी लमजंग जिले में देश के पहले समलैंगिक विवाह का पंजीकरण किया गया है और इसे देश में लेस्बियन-गे-बाईसेक्शुअल-ट्रांसजेंडर (एलजीबीटी) समुदाय के अधिकारों की विजय के रूप में देखा जा रहा है। पश्चिमी लमजंग जिले में औपचारिक रूप से माया गुरुंग (35) और सुरेंद्र पाण्डेय (27) के विवाह को बुधवार को पंजीकृत किया गया। देश के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समलैंगिक जोड़ों के विवाह के पंजीकरण के संबंध में पांच महीने पहले दिये गये अंतरिम आदेश के बाद यह पंजीकरण किया गया है। एशिया में अभी तक ताईवान ही एकमात्र देश था जहां समलैंगिक विवाह को मंजूरी मिली हुई है।

विवाह के पंजीकरण के बाद श्रीमती गुरुंग ने कहा " आज का दिन केवल हमारे लिए ही नहीं बल्कि सभी लैंगिक अल्पसंख्यक समुदायों के लिए बहुत बड़ा दिन है। अपने अधिकारों की यह लड़ाई बिल्कुल भी आसान नहीं रही है लेकिन आखिरकार हमें जीत हासिल हुई । अब आगे आने वाली पीढ़ियों के लिए राह आसान होगी। हमारे विवाह के पंजीकरण ने हमारे लिए बहुत सी सुविधाओं के दरवाजे खोल दिए हैं।"

दंपती ने कहा कि वे एक संयुक्त खाता खोलना चाहते हैं और उनके द्वारा खरीदी गयी जमीन का सम्मिलित स्वामित्व भी लेना चाहते हैं लेकिन जैसे ही उनकी आर्थिक स्थिति कुछ और मजबूत होती है तो उनका सबसे बड़ा सपना एक बच्चे को गोद लेना है। यह जोड़ा लगभग एक दशक से साथ है । इन दोनों ने एक मंदिर में 2017 में शादी कर ली थी और इस साल उनके साथ को कानूनी मंजूरी भी मिल गयी। श्रीमती गुरुंग एक ट्रांसजेंडर महिला हैं जिन्होंने आधिकारिक तौर पर अपना लिंग परिवर्तन नहीं किया है। श्री पाण्डेय का जन्म पुरूष के रूप में हुआ।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद इस मामले में नेपाल की राजधानी काठमांडू के जिला न्यायालय ने इन दोनों के विवाह के पंजीकरण करने की इजाजत नहीं दी थी जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में सरकार को ऐसे मामलों में कानून के तहत जरूरी बदलाव किये जाने के दिशा निर्देश दिये थे।

जिला अदालत ने तर्क दिया था कि निचली अदालतें आदेश का पालन करने के लिए बाध्य नहीं थीं क्योंकि यह केवल सरकार पर निर्देशित था लेकिन बुधवार को, डोरडी ग्रामीण नगर पालिका के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी हेम राज काफले ने रॉयटर्स को बताया " हमने सुप्रीम कोर्ट के आदेश और संबंधित सरकारी अधिकारियों के निर्देशों पर विचार करते हुए जोड़े को विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किया है।" प्रमुख एलजीबीटी अधिकार कार्यकर्ता सुनील बाबू पंत ने इस 'ऐतिहासिक' क्षण को यौन और लैंगिक अल्पसंख्यकों की जीत बताया। उन्होंने कहा, " अब हम अपनी शादी को आम जोड़ों की तरह पंजीकृत करा सकते हैं लेकिन अन्य अधिकार पाने के लिए हमें अभी और भी बहुत कुछ करना होगा।"

पीएम मोदी ने तेलंगाना के वोटरों से रिकॉर्ड संख्या में मतदान करने का किया आह्वान

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना के वोटरों से, खासतौर पर युवाओं और पहली बार वोट करने वाले मतदाताओं से रिकॉर्ड संख्या में मतदान करने का आह्वान किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सुबह एक्स पर अंग्रेजी और तेलुगु भाषा में अलग-अलग पोस्ट कर कहा, मैं तेलंगाना के अपने बहनों और भाइयों से रिकॉर्ड संख्या में मतदान करने और लोकतंत्र के त्योहार को मजबूत करने का आह्वान करता हूं। मैं विशेष रूप से युवा और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से अपने मताधिकार का प्रयोग करने का आग्रह करता हूं तेलंगाना में राज्य की सभी 119 विधान सभा सीटों के लिए आज वोट डाले जा रहे हैं। राज्य में मतदान शुरू हो चुका है। राज्य के मुख्यमंत्री केसीआर लगातार तीसरी बार राज्य की सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहे हैं।

जहरीला सिरप पीने से पांच लोगों की मौत, कुछ बीमार, एक की हालत नाजुक

अहमदाबाद ,(एजेंसी)। गुजरात में मिथाइल अल्कोहल युक्त जहरीले सिरप को पीने से 5 लोगों की मौत हो गई जबकि 2 अन्य बीमार हैं। बीमार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। यह घटना गुजरात के खेड़ा में हुई। लोगों ने यह सिरप एक किराणा स्टोर से खरीदी थी। मृतक बगडु और बिलोदरा गांव के बताए जाते हैं। पांचों मौतें दो दिनों के दौरान हुई। एक शख्स की हालत नाजुक बताई जाती है। सिरप किसी आयुर्वेदिक कंपनी का बताया जा रहा है।

गुजरात के खेड़ा जिले में मिथाइल अल्कोहल युक्त जहरीले आयुर्वेदिक सिरप के संदिग्ध सेवन से पिछले दो दिनों में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है। सिरप पीने वाले दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि 'कालमेघसव आसव अरिष्ट' नाम से ब्रांडेड आयुर्वेदिक सिरप, खेड़ा जिले के नडियाद शहर के पास बिलोदरा गांव में एक दुकानदार द्वारा लगभग 50 लोगों को बेचा गया था।खेड़ा जिले के पुलिस अधीक्षक राजेश गढिया ने कहा कि एक ग्रामीण के रक्त के नमूने की रिपोर्ट से पुष्टि हुई है कि सिरप बेचने से पहले उसमें मिथाइल अल्कोहल मिलाया गया था। पिछले दो दिनों के दौरान सिरप पीने से पांच लोगों की जान चली गई है, जबकि दो का अभी भी इलाज चल रहा है। इस घटना की पूछताछ के लिए दुकानदार समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया है। मालूम हो कि मिथाइल अल्कोहल एक जहरीला पदार्थ है।सूबे के डीजीपी विकास सहाय ने बताया कि सिरप में मिथेनॉल की मौजूदगी हो सकती है। इसी वजह से सिरप पीने वालों की मौत हो सकती है। इस मामले में लगभग पचास लोगों से पूछताछ की गई है, जिन्हें यह सिरप टॉनिक दिया गया था। दुकानदार किशोर के पिता ने भी इस सिरप का सेवन किया था।

डॉ. प्रवीण तोगडिया बोले : अयोध्या के बाद मथुरा और काशी की बारी

सहारनपुर ,(एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगडिया ने कहा कि बड़े हर्ष की बात है कि 400 वर्ष के संघर्ष के बाद अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर बन रहा है। अयोध्या हमने ले ली है अब मथुरा व काशी की बारी है। बुधवार को डॉ. तोगडिया नुमाइश कैंप स्थित श्री गो-देवी मंदिर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने लाउडस्पीकर के खिलाफ कार्रवाई को लेकर दूसरे समुदाय पर हमला किया। साथ ही कहा कि देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून बनना चाहिए। इजरायल की तरह भारतीय सेना को देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि आयुष्मान कार्ड योजना में परिवार के छह सदस्य के नियमों को बदलवाया जाएगा। ताकि इसका लाभ ज्यादा से ज्यादा हिंदू समाज के लोगों को मिल सके।

इटावा सफारी पार्क को सांसें देगा सोशल मीडिया, पर्यटकों की आमद बढ़ाने का मास्टर प्लान तैयार

इटावा, एजेंसी। एशिया में एकमात्र एशियाटिक लायन के सबसे बड़े केंद्र के रूप में मशहूर इटावा सफारी पार्क में देसी विदेशी पर्यटकों की आमद बढ़ने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लेने का मास्टर प्लान तैयार किया गया है। सफारी पार्क के निदेशक अतुल कांत शुक्ला ने गुरुवार को यूनीवार्ता से खास बातचीत में कहा " मास्टर प्लान के तहत फेसबुक, इंस्टाग्राम यूट्यूब, एक्स सोशल साइट और आकाशवाणी के जरिए से सफारी का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाएगा। इटावा सफारी पार्क में बड़ी तादाद में वन्य जीव भी है लेकिन यहां का सबसे बड़ा आकर्षण एशियाटिक शेरों का ही है जिनके दीदार के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक यहां का रूख करते हैं। "

उन्होंने बताया कि सफारी का मुख्य आकर्षण एशियाटिक लायन को देखने का पर्यटको का रहता है, इसके लिए सफारी प्रबंधन ने पांच शेरों को बाड़ों से आजाद कर दिया है। अब पर्यटक बंद गाड़ी से जाएंगे और शेर को खुले में विचरण करते देखेंगे। राजस्थान से आए एक पर्यटक ऐसा बताते हैं कि उनके राजस्थान में रणथंभोर में भी शेर है लेकिन वह दिखाई देंगे या नहीं यह नहीं कहा जा सकता लेकिन इटावा सफारी पार्क में हर हाल में शेर नजर आएगा और आपको रोमांच का अहसास कराएगा। जिस हिस्से में शेरों को छोड़ कर के रखा गया है वहां पर डॉक्टरों की एक टीम भी हमेशा मौजूद रहती है। इटावा सफारी पार्क में 17 शेर है जबकि बड़ी संख्या में हिरन, काले हिरन, भालू, लेपर्ड, आदि भी मौजूद है।

सफारी पार्क तक पहुंचने के लिए दिल्ली से पांच घंटे, आगरा से दो घंटे, लखनऊसे तीन घंटे में और बुंदेलखंड के किसी भी हिस्से से मात्र दो घंटे का समय लगता है। ताजनगरी आगरा के करीब होने के कारण इटावा सफारी पार्क का महत्व अपने आप में बढ़ा है। सफारी पार्क के प्रति पर्यटकों के आकर्षण में लगातार इजाफा हो रहा है। सफारी पार्क अपने आप में इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एशिया का एकमात्र ब्रीडिंग सेंटर है जिसके जरिए एशियाटिक शेरों की संख्या में इजाफा होना तय माना जा रहा है। 25 नंबवर 2019 को शुभारंभ के बाद सफारी की लोकप्रियता मे खासा इजाफा हो रहा है । सपा सरकार के कार्यकाल में निर्मित इटावा सफारी पार्क का उद्घघाटन एक जून 2017 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था ,लेकिन आम पर्यटकों के लिए 25 नम्वबर 2019 को शुभारंभ किया गया था।

कुख्यात डाकुओं की शरणस्थली के रूप में बदनाम रही चंबल घाटी को पर्यटकों से आबाद करने की मंशा के साथ सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने 2003 में इस प्रोजेक्ट की शुरूआत कराई थी ,लेकिन 2007 में प्रदेश की तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती ने सत्ता में आते ही इस प्रोजेक्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। उसके बाद इटावा को पर्यटन मानचित्र पर लाने की गरज से बीहड़ में लायन सफारी की स्थापना की रूपरेखा शुरू कराई। रूपरेखा का ही नतीजा आज बीहड मे स्थापित सफारी भव्य रूप मे दिखाई दे रहा है।

सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के ड्रीम प्रोजेक्ट इटावा सफारी पार्क का निर्माण मई 2012 में शुरू हुआ था। यह करीब 350 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है। इटावा को पर्यटन मानचत्रि पर लाने की गरज से बीहड़ में लायन सफारी की स्थापना की रूपरेखा शुरू कराई थी और आज बीहड मे स्थापित सफारी भव्य रूप मे दिखाई दे रहा है। इटावा सफारी पार्क के बायोलॉजिस्ट बी. एन.सिंह का कहना है कि सफारी पार्क का नाम भी बब्बर शेर प्रजनन केंद्र रखा गया है इसके बाद यहां पर एशियाई शेरों की संख्या में खासी वृद्धि होती हुई दिखाई दे रही है। एशियाई शेरों को देखने वालों में वैसे तो सबसे अधिक देशी पर्यटक ही है लेकिन विदेशी पर्यटक भी इससे अछूते नहीं है।

पोंटिंग ने वार्नर को टेस्ट टीम में शामिल करने का किया समर्थन

मेलबर्न ,ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर रिकी पोंटिंग ने पाकिस्तान के खिलाफ पर्थ में 14 दिसंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट के जरिए घरेलू समर की शुरुआत करने के लिए डेविड वार्नर को प्लेइंग–11 में रखने का समर्थन किया है।

डेविड वार्नर ने पहले जनवरी 2024 में दोस्तों और परिवार के सामने एससीजी में पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे मैच के बाद टेस्ट से संन्यास लेने की इच्छा व्यक्त की थी। लेकिन टेस्ट में फॉर्म उनके पक्ष में नहीं है। जनवरी 2020 के बाद से उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 2022 बॉक्सिंग डे टेस्ट में मेलबर्न में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 200 रन था।

पोंटिंग ने एसईएन रेडियो पर कहा, मुझे लगता है कि वह गर्मियों की शुरुआत में वहां रहने का हकदार है। लेकिन फिर यह उस पर निर्भर है। मैंने इस सप्ताह विदाई दौरे और गर्मियों में तीन टेस्ट और सिडनी में अपने घरेलू दर्शकों के सामने समापन के बारे में कुछ रिपोर्टें पढ़ी हैं। मेरा मतलब है, यह सब वास्तव में डेविड पर निर्भर है। इसलिए यह उनका फैसला होगा। अगर वह पहले कुछ मैचों में रन बनाता है, तो संभवतः उसे वह विदाई मिलेगी जिसकी वह तलाश कर रहे हैं।

लेकिन ऐसे कुछ लोग हैं जो उनके पीछे कतार में हैं जो घरेलू क्रिकेट में सलामी बल्लेबाजी का मौका पाने के लिए बहुत सी चीजें कर रहे हैं। वह समय निश्चित रूप से आएगा लेकिन जब वह आएगा, हम इंतजार करेंगे और देखेंगे। पर्थ में उस पहले टेस्ट मैच के बाद शायद हमारे पास स्पष्ट तस्वीर होगी।वॉर्नर के टेस्ट से संन्यास के बाद ओपनर कौन बनेगा ये अगला बड़ा सवाल है। लेकिन, पोंटिंग का मानना है कि रनों के आधार पर मार्कस हैरिस या मैट रेनशॉ से आगे कैमरून बैनक्रॉफ्ट को ऑस्ट्रेलिया के अगले टेस्ट ओपनर के रूप में वार्नर की जगह लेनी चाहिए।

बैनक्रॉफ्ट पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के लिए 945 रन के साथ घरेलू शेफील्ड शील्ड प्रतियोगिता में अग्रणी रन–स्कोरर हैं। उन्होंने आखिरी बार 2019 में ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट खेला था। यदि आप उन तीन लोगों को देखते हैं, तो मुझे लगता है कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि बैनक्रॉफ्ट ही वह खिलाड़ी हैं बोर्ड पर रन बने और मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर वे (चयनकर्ता) इस तरह से आगे बढ़ें।

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैक्डोनाल्ड्स ने कैमरून ग्रीन को प्लेइंग–11 में जगह देने के लिए बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल की बात कही थी।

आर्सेनल ने लेंस को 6–0 से रौंदा, नॉकआउट चरण में पहुंचा

लंदन ,आर्सेनल के मैनेजर मिकेल अर्टेटा ने उत्तरी लंदन में लेंस को 6–0 से हराकर चैंपियंस लीग के नॉकआउट चरण में पहुंचने के बाद अपनी टीम की प्रशंसा की है। आर्सेनल की 6–0 से जीत यूरोपीय प्रतियोगिता में किसी फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ किसी अंग्रेजी टीम की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। अर्टेटा ने संवाददाताओं से कहा, मैंने ऐसा सपने में भी नहीं सोचा था। हमारे पास आज क्वालिफाई करने और ग्रुप में शीर्ष पर रहने का मौका था और मुझे लगता है कि हमने इसे वास्तव में ठोस तरीके से किया है। टीम ने शुरू से ही खेल के लिए बहुत आक्रामकता और दृढ़ संकल्प दिखाया। पहले 30 मिनट में सब कुछ सही तरीके से हुआ। एमिरेट्स में लेंस के खिलाफ 6–0 की जीत के साथ आर्सेनल आसानी से चैंपियंस लीग नॉकआउट चरण में पहुंच गया। गनर्स प्रतियोगिता में मैच के पहले हाफ में पांच गोल करने वाली पहली अंग्रेजी टीम थी। गेब्रियल जीसस, बुकायो साका, गेब्रियल मार्टिनेली और मार्टिन ओडेगार्ड के आक्रामक प्रदर्शन में शामिल होने से पहले, काई हैवर्टज़ ने स्कोरिंग की शुरुआत की। पहले हाफ में दबदबा बनाने के बाद मिकेल अर्टेटा की टीम ने जोर्जिन्हो की बदौलत पेनल्टी स्पॉट से छठा गोल किया। अपने घरेलू समर्थकों के सामने एक प्रभावशाली जीत के बाद, उन्होंने आधिकारिक तौर पर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया और 16वें राउंड में जगह बना ली है। हालाँकि, अर्टेटा आश्वस्त थे कि उनकी टीम पिछले कुछ समय से घरेलू मैदान पर भी इसी तरह का प्रदर्शन कर रही थी, और उन्होंने इस तथ्य का स्वागत किया कि छह अलग–अलग खिलाड़ियों ने स्कोर शीट पर अपना नाम दर्ज किया। उन्होंने कहा, घर पर हमने कोई भी गोल न खाने और ढेर सारे स्कोर करने की जो निरंतरता दिखाई है, वह वास्तव में सकारात्मक कारक है। उन खिलाड़ियों को उन अनुभवों और विश्वास की आवश्यकता है कि हम उन विरोधियों के खिलाफ ऐसा कर सकते हैं।

राहुल द्रविड़ बने रहेंगे टीम इंडिया के हेड कोच

मुंबई ,भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ का कॉन्ट्रैक्ट आगे बढ़ाने का ऐलान कर दिया है। राहुल द्रविड़ एंड कंपनी के कॉन्ट्रैक्ट का एक्सटेंशन बीसीसीआई ने कर दिया है। एक बार फिर से यही दिग्गज भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ की कमान संभाले रखेंगे। वर्ल्ड कप 2023 के साथ राहुल द्रविड़ और उनके साथ बल्लेबाजी कोच, फील्डिंग कोच और गेंदबाजी कोच का कार्यकाल समाप्त हो गया था।

बीसीसीआई ने मीडिया रिलीज जारी करते हुए कहा है मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और टीम इंडिया के सहयोगी स्टाफ के लिए अनुबंध का विस्तार किया है। हाल ही में संपन्न आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 के बाद उनके अनुबंध की अवधि समाप्त होने के बाद बीसीसीआई ने राहुल द्रविड़ के साथ सार्थक चर्चा की और सर्वसम्मति से कार्यकाल को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर, फील्डिंग कोच टी दिलीप और गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे का भी कार्यकाल बढ़ा है।

बोर्ड ने राहुल द्रविड़ की तारीफ करते हुए कहा है कि भारतीय टीम को तैयार करने में द्रविड़ की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और उनकी असाधारण व्यावसायिकता की हम सराहना करते हैं। बोर्ड एनसीए के प्रमुख और स्टैंड–इन हेड कोच के रूप में उनके अनुकरणीय भूमिकाओं के लिए वीवीएस लक्ष्मण की भी सराहना की।

विश्व कप : भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने कनाडा को 12–0 से रौंदा

सैंटियागो ,भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2023 अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए बुधवार को टूर्नामेंट के अपने शुरुआती मैच में कनाडा के खिलाफ 12–0 से शानदार जीत हासिल की।

अन्नू (4, 6, 39), दीपी मोनिका (21), मुमताज खान (26, 41, 54, 60), दीपिका (34, 50, 54) और नीलम (45) ने गोल किए।

भारत ने मैच की शुरुआत आक्रामक रुख के साथ की और कनाडा पर लगातार दबाव डाला और तेजी से बढ़त हासिल की। अन्नू (4, 6) ने पेनल्टी कॉर्नर के माध्यम से दो शुरुआती गोल किए।

दो गोल की बढ़त लेने के बावजूद, भारत ने अपनी आक्रामक शैली जारी रखी और कनाडा पर दबाव बनाए रखा। हालांकि, वे शुरुआती क्वार्टर में अधिक गोल करने में असमर्थ रहे क्योंकि अंत उनके पक्ष में 2–0 से हुआ।

भारत के लिए पहले क्वार्टर की गति दूसरे क्वार्टर में भी जारी रही, जिससे उसका दबदबा कायम रहा। उन्होंने लगातार सर्कल में प्रवेश करते हुए कब्जा बनाए रखा जिसके चलते दीपी मोनिका (21) और मुमताज खान (26) ने एक–एक फील्ड गोल किया,

जिससे भारत की बढ़त 4–0 हो गई।

इस बीच, कनाडा को पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा सके। दूसरे क्वार्टर के समाप्त होने तक भारतीय टीम ने 4–0 की शानदार बढ़त बनाए रखी।अच्छी बढ़त के बावजूद, भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में भी अपना आक्रामक रुख जारी रखा। दीपिका (34) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर दबदबा बनाए रखा जिसके बाद अन्नू (39) ने अपनी हैट्रिक पूरी की। जबकि मुमताज खान (41) ने मैच का अपना दूसरा गोल किया।

इसके अलावा, नीलम (45) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागते हुए अंतिम क्वार्टर के अंत तक भारत का स्कोर 8–0 कर दिया।

भारतीय टीम की गोल करने की भूख चौथे क्वार्टर में भी जारी रही। दीपिका (50, 54) और मुमताज खान (54, 60) ने गोल किए जिससे न केवल दोनों खिलाड़ियों ने अपनी हैट्रिक पूरी की बल्कि भारत की जीत भी हुई। इस तरह भारत ने कनाडा के खिलाफ 12–0 की बड़ी जीत हासिल की।

अब भारत टूर्नामेंट के अपने दूसरे मैच में शुक्रवार को जर्मनी से भिड़ेगा।

रोहित–कोहली के भविष्य पर बोले पीटरसन, आईपीएल का करना होगा इंतजार

देहरादून , इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन का मानना है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के पास आगामी टी20 विश्व 2024 के लिए भारत की टीम में शामिल होने का मौका है। भारतीय क्रिकेट सेटअप में प्रतिभा की गहराई को देखते हुए, वनडे विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भारत की हार के बाद कोहली और रोहित के भविष्य को लेकर गहन चर्चा जारी है। जबकि रोहित और कोहली ने वनडे विश्व कप में प्रभावशाली फॉर्म दिखाया।

केविन पीटरसन ने इस बात पर जोर दिया कि आईपीएल 2024 में उनका प्रदर्शन अगले साल जून में होने वाले टी 20 विश्व कप के लिए उनके चयन पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पीटरसन ने बताया, कोहली और रोहित के पास कई मौके है। उन्हें देखना होगा कि वे आईपीएल में कैसा प्रदर्शन करते हैं। चयनकर्ताओं को उन्हें आईपीएल में जांचना

होगा क्योंकि वे भारतीय क्रिकेट के दिग्गज हैं।आईपीएल की सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने कुल मिलाकर 173 खिलाड़ियों को रिटेन किया। रोहित और कोहली को क्रमशः मुंबई इंडियंस और आरसीबी ने रिटेन किया है।

पीटरसन ने कहा कि चूंकि आईपीएल 2024 और अगले साल के टी20 विश्व कप के बीच ज्यादा अंतर नहीं है। इसलिए यह कुछ खिलाड़ियों के लिए बड़ा मौका हो सकता है।

वर्तमान में इंडिया कैपिटल्स में गौतम गंभीर की कप्तानी में लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) 2023 सीजन में खेल रहे पीटरसन एलएलसी में प्रतिस्पर्धा के उच्च मानकों को स्वीकार करते हैं।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इसे सेवानिवृत्त क्रिकेटरों के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में शामिल होने और संभावित रूप से अपने क्रिकेट करियर में दूसरी पारी शुरू करने के एक मूल्यवान अवसर के रूप में देखते हैं।

पीटरसन ने बताया, यह हमारे लिए दूसरी पारी हो सकती है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि हम जो देख रहे हैं वह प्रतिस्पर्धी क्रिकेट है और यह हमेशा जोखिम होता है। यह जानते हुए कि कुछ खिलाड़ी कुछ समय के लिए खेल से बाहर हो जाते हैं। इसलिए कभी–कभी आप उम्मीदों पर खरे नहीं उतरते। लेकिन यहां मानक बहुत अच्छे रहे हैं।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com